भीम प्रज्ञा अलर्ट

'अहंकार और संस्कार में फर्क है, अहंकार दूसरों को झुकाकर खुश होता है, संस्कार स्वयं झुककर खुश होता है।'

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-76 | झुंझुनू (राजस्थान) | गुरूवार, 5 फरवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

ईर्ष्या से मुक्ति का मार्ग – मानसिक अनुशासन की शक्ति

मानव मन की सबसे जटिल और विनाशकारी प्रवृत्तियों में ईर्ष्या का स्थान सबसे ऊपर है। यह वह भाव है, जो न दिखाई देता है, न ही तुरंत पहचाना जाता है, लेकिन भीतर ही भीतर व्यक्ति के आत्म-सम्मान, मानसिक शांति और सामाजिक संबंधों को दीमक की तरह खोखला करता रहता है। ईर्ष्या तब जन्म लेती है, जब हम अपने जीवन की तुलना दूसरों की उपलब्धियों, सुख-सुविधाओं और पहचान से करने लगते हैं। यह तुलना धीरे-धीरे असंतोष में बदलती है और असंतोष से ईर्ष्या का विष फैलता चला जाता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

ईर्ष्या का सबसे बड़ा दुष्परिणाम यह है कि वह व्यक्ति को स्वयं से दूर कर देती है। वह अपनी क्षमताओं, परिश्रम और संभावनाओं पर भरोसा खो बैठता है। दूसरों की सफलता उसे प्रेरित करने के बजाय चुभने लगती है। यही वह क्षण होता है, जब व्यक्ति का मानसिक संतुलन डगमगाने लगता है। विद्वानों और मनोवैज्ञानिकों का मत है कि ईर्ष्या किसी बाहरी परिस्थिति से नहीं, बल्कि आंतरिक असंतुलन से उपजती है। इसलिए इसका समाधान भी बाहर नहीं, बल्कि भीतर ही खोजा जाना चाहिए। ईर्ष्या एक ऐसी अग्नि है, जो देखने में दूसरों को जलाती प्रतीत होती है, लेकिन अंततः उसी व्यक्ति को भस्म कर देती है, जिसके भीतर वह पल रही होती है। ईर्ष्यालु व्यक्ति न तो स्वयं खुश रह पाता है और न ही दूसरों को खुश देख पाता है। उसका मन हर समय तुलना, शिकायत और हीन भावना से घिरा रहता है। यह स्थिति धीरे-धीरे अवसाद, क्रोध और अकेलेपन को जन्म देती है। सामाजिक स्तर पर ईर्ष्या रिश्तों में दरार डालती है, सहयोग की भावना को कमजोर करती है और समाज में अविश्वास का वातावरण पैदा करती है।

ऐसे में प्रश्न उठता है कि ईर्ष्या से बचने का उपाय क्या है? क्या केवल नैतिक उपदेश या बाहरी शिक्षा इस समस्या का समाधान कर सकती है? अनुभव बताता है कि केवल उपदेश ईर्ष्या को समाप्त नहीं कर सकते। इसके लिए जिस शक्ति की आवश्यकता है, वह है–मानसिक अनुशासन। मानसिक अनुशासन का अर्थ है अपने विचारों, भावनाओं और प्रतिक्रियाओं पर सजग नियंत्रण। यह वह ढाल है, जो व्यक्ति को हीन भावना, नकारात्मक तुलना और आत्म-तिरस्कार से बचाती है। मानसिक अनुशासन व्यक्ति को यह सिखाता है कि हर मनुष्य की परिस्थितियां, संघर्ष और समय अलग-अलग होते हैं। दूसरों की सफलता को अपनी असफलता मान लेना आत्मघात के समान है। जब मन अनुशासित होता है, तो व्यक्ति दूसरों की उन्नति को प्रेरणा के रूप में देखता है, न कि प्रतिस्पर्धा या ईर्ष्या के कारण के रूप में। वह यह समझ पाता है कि जीवन की दौड़ में हर किसी की अपनी गति और अपनी दिशा होती है। मानसिक अनुशासन का एक महत्वपूर्ण पहलू आत्म-संतोष है। संतोष का अर्थ ठहराव नहीं, बल्कि अपने वर्तमान प्रयासों और उपलब्धियों को स्वीकार करना है। जो व्यक्ति अपने मन को संतोष में प्रशिक्षित कर लेता है, वह ईर्ष्या के दलदल में नहीं फँसता। वह जानता है कि तुलना से केवल अशांति बढ़ती है, जबकि आत्म-स्वीकृति से आत्मबल मजबूत होता है। इतिहास और दर्शन गवाह हैं कि जिन व्यक्तियों ने अपने मन पर विजय प्राप्त की, वही वास्तव में महान बने। बाहरी संसार को जीतना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक कठिन है अपने भीतर के विकारों पर नियंत्रण पाना। ईर्ष्या, क्रोध और अहंकार जैसे भाव मन के अनियंत्रित होने के लक्षण हैं। मानसिक अनुशासन इन्हें साधने का मार्ग दिखाता है। यह अनुशासन ध्यान, आत्मचिंतन, सकारात्मक सोच और निरंतर अभ्यास से विकसित होता है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में, जहाँ सफलता को ही जीवन की कसौटी मान लिया गया है, ईर्ष्या का खतरा और भी बढ़ गया है। सोशल मीडिया ने तुलना को और तीव्र बना दिया है। ऐसे समय में मानसिक अनुशासन केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य की अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है। जो व्यक्ति अपने मन को अनुशासित रखता है, वह बाहरी शोर से विचलित नहीं होता और अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहता है।

अंततः यही कहा जा सकता है कि ईर्ष्या से मुक्ति का कोई तात्कालिक या बाहरी समाधान नहीं है। यह एक आंतरिक यात्रा है, जो मानसिक अनुशासन से होकर गुजरती है। जिसने अपने मन को साध लिया, उसने संसार की सबसे बड़ी जीत हासिल कर ली। क्योंकि बाहरी विजय क्षणिक हो सकती है, लेकिन मन की विजय स्थायी शांति, संतोष और आनंद का द्वार खोल देती है। यही सच्ची सफलता है और यही एक स्वस्थ, समृद्ध और संतुलित समाज की नींव भी।

सरकार का विधानसभा में जवाब

राजस्थान में तीन बच्चों वाले भी बन सकेंगे सरपंच-प्रधान

अनपढ़ों के निकाय-पंचायत चुनाव लड़ने पर नहीं लगेगी रोक

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । पंचायतीराज संस्थाओं और शहरी निकायों में अनपढ़ों के चुनाव लड़ने पर सरकार रोक नहीं लगाएगी। निकाय और पंचायत चुनाव लड़ने के लिए शैक्षणिक योग्यता अनिवार्य करने का प्रावधान लागू नहीं होगा। साथ ही 2 से ज्यादा संतान वालों के निकाय और पंचायत चुनाव लड़ने पर लगी रोक हटाने के लिए बिल विधि विभाग में प्रक्रियाधीन है। कांग्रेस विधायक पूसाराम गोदारा के सवाल के जवाब में दोनों मामलों में सरकार ने लिखित जवाब में इसकी जानकारी दी है। सरकार ने पहली बार लिखित में दोनों मुद्दों पर जवाब दिया है।

पूसाराम गोदारा ने सवाल किया था कि

क्या सरकार नगर निकायों के चुनाव में उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता और संतान संबंधी प्रावधानों में संशोधन करने का विचार रखती है? इस पर सरकार की तरफ से जवाब में लिखा है- सरकार का नगर निकायों के चुनाव में उम्मीदवारों की योग्यता के संबंध में वर्तमान में राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 21 में प्रावधान हैं, जिनमें शैक्षणिक योग्यता के संबंध में कोई नियम नहीं है। शैक्षणिक योग्यता के लिए नियमों में संशोधन किए जाने का वर्तमान में कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। 2 से ज्यादा संतान वालों को चुनाव लड़ने की छूट देने वाले प्रावधान के सवाल के जवाब में लिखा है- राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 24 के प्रावधानों में संशोधन के लिए विधि विभाग को फाइल भेजी गई है, जो प्रक्रियाधीन है।

30 साल पहले बना था नियम

1994-95 में तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत की सरकार में राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 बना था। इसके मुताबिक जिन जनप्रतिनिधियों के दो से ज्यादा बच्चे होंगे, वो पंचायत और निकाय चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। इसमें चुनाव जीतने के बाद तीसरा बच्चा पैदा होने पर पद से हटाने का भी प्रावधान किया गया था। तब से अब तक इसमें कोई शिथिलता नहीं दी गई है।

कर्मचारियों को मिल चुकी राहत

साल 2002 में 2 से ज्यादा बच्चे होने पर सरकारी नौकरी नहीं मिलने का कानून लाया गया। इसमें प्रावधान किया गया था कि सरकारी नौकरी लगने के बाद भी तीसरा बच्चा होता है तो उसका 5 साल तक कोई प्रमोशन नहीं होगा।

नौकरी में रहते हुए तीन से ज्यादा बच्चे पैदा किए तो कम्पलसरी रिटायरमेंट देने का नियम भी बनाया गया। हालांकि तत्कालीन वसुंधरा राजे सरकार ने 2018 में इस नियम को खत्म करने की घोषणा की थी। 5 साल तक प्रमोशन रोकने के नियम में भी शिथिलता देकर इसे 3 साल कर दिया था।

पिलानी विधायक पितराम सिंह काला ने विधानसभा में उठाया प्रचलित रास्तों का मुद्दा

मंत्री नहीं दे पाए जवाब, विधायक असंतुष्ट

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

पिलानी विधायक पितराम सिंह काला ने बुधवार को राजस्थान विधानसभा में प्रचलित रास्तों को राजस्व रिकॉर्ड में 'कटानी रास्ता' के रूप में दर्ज किए जाने को लेकर सरकार से सवाल किया। उन्होंने पूछा कि क्या सरकार का इस संबंध में कोई ठोस विचार है, यदि हां तो कब तक इसे लागू किया जाएगा और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं। इस पर जवाब देते हुए राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने कहा कि प्रचलित रास्तों को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने के लिए राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर परिपत्र एवं दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम की धारा 132 तथा भू-

राजस्व अभिलेख नियम 1957 के तहत ऐसे रास्तों के अंकन का प्रावधान पहले से मौजूद है। मंत्री ने कहा कि कई प्रचलित रास्ते वर्तमान में राजकीय या निजी खातेदारी भूमि से होकर गुजरते हैं, जिनका राजस्व अभिलेखों में उल्लेख 75 का अंकन प्रक्रिया बाद किया जाता है, ताकि आमजन के आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रश्न का सटीक उत्तर नहीं मिलने पर विधायक पितराम सिंह काला मंत्री के जवाब से संतुष्ट नहीं दिखे। उन्होंने कहा कि सरकार स्पष्ट रूप से यह बताए कि क्या वह प्रचलित रास्तों को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने के लिए ठोस निर्णय लेने जा रही है या नहीं। उन्होंने जनता की आवश्यकता और मांग को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। तत्पश्चात विधानसभा अध्यक्ष द्वारा बार-बार निर्देश देने के पश्चात भी मंत्री द्वारा सटीक उत्तर नहीं दिया गया। तब विधानसभा अध्यक्ष ने प्रश्न को स्थगित करते हुए व्यवस्था दी कि मंत्री से इस उत्तर का जवाब दोबारा दिलाया जाएगा।

एडवोकेट केशव सिरोहीवाल बने राष्ट्रीय किसान महासभा के जिला अध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । राष्ट्रीय किसान महासभा में संगठनात्मक विस्तार के तहत एडवोकेट केशव सिरोहीवाल को खैरथल-तिजारा का जिला अध्यक्ष (विधि प्रकोष्ठ) नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त करते हुए आज जिला मेघवाल समाज द्वारा एक सम्मान समारोह आयोजित कर सिरोहीवाल का भव्य अभिनंदन किया गया। समारोह के दौरान मेघवाल समाज के पदाधिकारियों और प्रबुद्धजनों ने केशव सिरोहीवाल को पारंपरिक साफा पहनाकर और फूलों की मालाओं से उनका स्वागत किया। समाज के लोगों ने कहा कि सिरोहीवाल की नियुक्ति से क्षेत्र के किसानों को कानूनी मजबूती मिलेगी और समाज का गौरव बढ़ेगा। इस अवसर पर मेघवाल समाज के जिला अध्यक्ष बनवारीलाल, उपाध्यक्ष शामलाल, हरिसिंह, राधेश्याम, किशनलाल, रतनलाल, सूरजभान, जयसिंह, एडवोकेट मुकेश सहित समाज के भारी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में नवनियुक्त जिला अध्यक्ष को शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में एडवोकेट केशव सिरोहीवाल ने कहा, 'मैं संपूर्ण मेघवाल समाज का इस मान-सम्मान के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। समाज ने जो भरोसा मुझ पर जताया है, मैं उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूँगा और किसानों के हक की लड़ाई पूरी मजबूती के साथ लड़ूंगा।

विद्युत महासंघ के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य चुन्नीलाल राजस्थानी होंगे राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल

भारतीय मजदूर संघ(BMS) का 21वाँ अखिल भारतीय अधिवेशन जगन्नाथ पुरी (उड़ीसा) में होगा आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नोखा।

भारत के सबसे बड़े श्रम संगठन भारतीय मजदूर संघ(BMS) का 21वाँ अखिल भारतीय अधिवेशन आगामी 6, 7 व 8 फरवरी को उड़ीसा के पवित्र धाम पूरी में आयोजित होने जा रहा है, अधिवेशन का केंद्रीय विषय 'श्रम का गौरव-राष्ट्र का गौरव' रखा गया है। जो श्रमिक सम्मान को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का सशक्त सन्देश देता है। इस ऐतिहासिक अधिवेशन में नोखा से अखिल भारतीय विद्युत मजदूर महासंघ के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य चुन्नीलाल राजस्थानी होंगे शामिल। अधिवेशन की अध्यक्षता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिरण्मय पंड्या करेंगे। उदघाट्न सत्र का

उदघाटन केंद्रीय श्रम मंत्री डॉ. मनसुख मण्डविया करेंगे। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन(ILO) की निदेशक मिचिको मियामाटो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेगी। सम्मेलन के दौरान बदलते वैश्विक परिदृश्य में श्रमिक आंदोलन की भूमिका पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। जिसका उद्घाटन उड़ीसा के मुख्यमंत्री मोहन चारण मांझी करेंगे इस संगोष्ठी में 15 देश के प्रतिनिधि अपनी भागीदारी निभाएंगे जिससे सम्मेलन का अंतरराष्ट्रीय महत्व और सुदृढ़ होगा इसके अतिरिक्त ट्रेड यूनियन आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी चुनौतियों और अवसर विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी भी आयोजित की जाएगी जिसमें उड़ीसा की उपमुख्यमंत्री पार्वती परीड़ा एवं राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर उपस्थित रहेगी। अधिवेशन में देश के सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों सहित ब्रिक्स देशों सहित अन्य कई देशों के लगभग 2000 से अधिक प्रमुख श्रमिक प्रतिनिधि अपनी भागीदारी निभाएंगे।

गिरदावर सर्किल पर आयोजित होंगे ग्राम उत्थान शिविर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

5 फरवरी व 6 फरवरी को इन गिरदावर सर्किल पर लगेंगे शिविर

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले किसानों, पशुपालकों व नागरिकों की समस्याओं का निदान गांव में ही हो, इस बात को लेकर गिरदावर सर्किल पर एक दिवसीय विशेष ग्राम उत्थान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। जिले में 23 जनवरी 2026 को बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर इन शिविरों की शुरूआत की गई है।मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चंद्र यादव ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार झुंझुनूं जिले में प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक ग्राम उत्थान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। इसमें कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन, सहकारिता, जल संसाधन, ऊर्जा, उद्योग, आपदा प्रबंधन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज सहित संबंधित विभागों की सहभागिता से कृषकों एवं पशुपालकों सहित ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करवाते हुए लाभान्वित किया जायेगा।

5 फरवरी व 6 फरवरी को इन गिरदावर सर्किल पर लगेंगे शिविर - 5 फरवरी को गांगियासर, त्यौंदा, भालोठ, जाखल, खान्दवा, भीमसर, गुढ़ा गौड़जी एवं अजाड़ी कलां व 6 फरवरी को चिड़ावा, लोयल एवं परसरामपुर में लगेंगे।

NSUI द्वारा युवाओं का युद्ध-ड्रग्स के विरुद्ध नशामुक्ति जनजागरण अभियान के अंतर्गत 'छात्र संवाद' कार्यक्रम संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । एनएसयूआई द्वारा युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करने हेतु 'युवाओं का युद्ध-ड्रग्स के विरुद्ध' नशामुक्ति जनजागरण अभियान के अंतर्गत 'छात्र संवाद' कार्यक्रम का आयोजन विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी जगतपुरा, जयपुर में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ ने की।? कार्यक्रम के मुख्य अतिथि युवाओं के प्रेरणास्रोत एवं मार्गदर्शक, राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट रहें। मुख्य अतिथि सचिन पायलट ने कहा कि 'नशा आज युवाओं के भविष्य के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को खोखला करता है। युवा यदि जागरूक हों

और नशे से दूर रहें तो देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। हमें मिलकर नशे के खिलाफ जनआंदोलन खड़ा करना होगा। '? एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ ने नशे के खिलाफ कड़ा

संदेश देते हुए कहा कि 'आज नशा युवाओं की ऊर्जा, सोच और सपनों को खत्म कर रहा है।एनएसयूआई इस बुराई के खिलाफ हर कॉलेज, हर विश्वविद्यालय और हर गांव तक पहुंचेगी। हम युवाओं को यह विश्वास दिलाते हैं कि नशा नहीं, शिक्षा, संघर्ष और संगठन ही उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है। नशे के सौदागरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और युवाओं को साहस के साथ नशे को ना कहना होगा।' कार्यक्रम के अंत में विनोद जाखड़ ने पधारे सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं जनसमूह को नशा न करने की शपथ दिलाई।?इस दौरान विश्वविद्यालय के डायरेक्टर के.राम बगेडिया, विधायक मनीष यादव, प्रशांत शर्मा, डीसी बैरवा, पिलानी विधायक पीतराम काला(झुंझुनूं), विधायक एवं युवा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया, जयपुर ग्रामीण लोकसभा प्रत्याशी अनिल चौपड़ा, पूर्व विधायक जी.आर. खटाना, राकेश पारीक, वेदप्रकाश सोलंकी, पीसीसी सचिव इमराम कुरैशी सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय प्रशासन मौजूद रहें।

इंसेफेलाइटिस लक्षण देखते ही हो जाएं सचेत

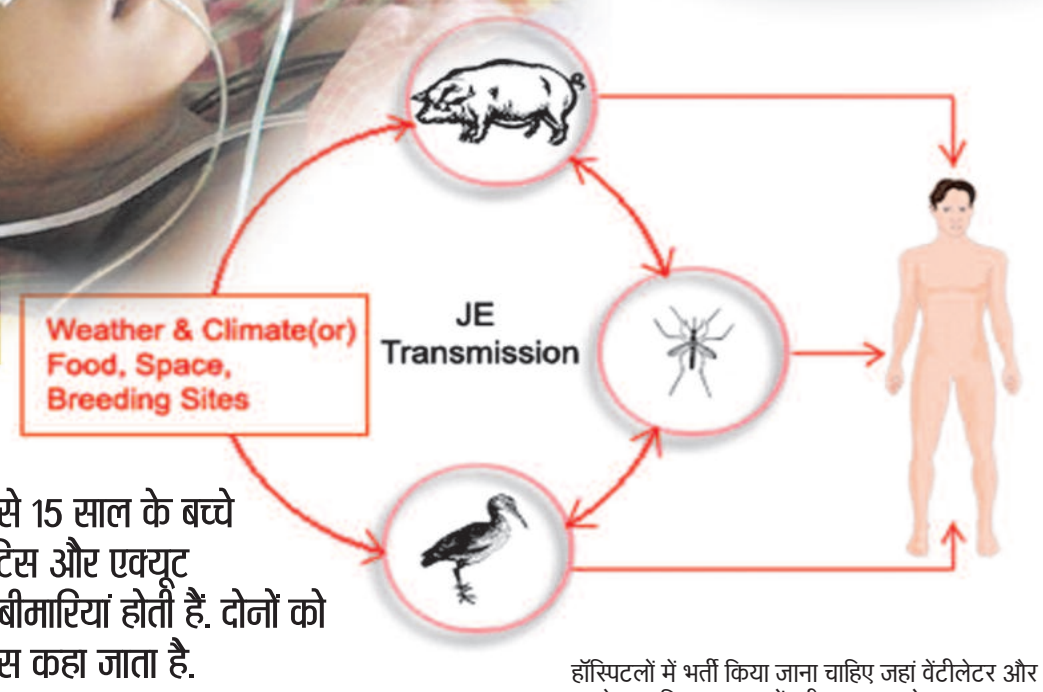

इंसेफेलाइटिस यानी दिमागी बुखार एक खतरनाक बीमारी है. इससे सबसे अधिक शिकार तीन से 15 साल के बच्चे होते हैं. इसमें जापानी इंसेफेलाइटिस और एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम नामक दो बीमारियां होती हैं. दोनों को ही सामान्य भाषा में इंसेफेलाइटिस कहा जाता है.

सेफेलाइटिस के कहर का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले चार दशक में इस बीमारी से बीस हजार से अधिक मौतें हो चुकी हैं. हर साल पांच-छह सौ बच्चे सरकारी रिकॉर्ड में मरते हैं जबकि हकीकत कुछ और ही है. वहीं इस बीमारी से लकवाग्रस्त हुए लोगों का कोई रिकॉर्ड ही नहीं रखा जाता. इंसेफेलाइटिस के सबसे अधिक शिकार तीन से 15 साल के बच्चे होते हैं. यह बीमारी जुलाई से दिसम्बर के बीच फैलती है. सितम्बर-अक्टूबर में बीमारी का कहर सबसे ज्यादा होता है. आंकड़े बताते हैं कि जितने लोग इंसेफेलाइटिस से ग्रसित होते हैं, उनमें से केवल 10 प्रतिशत में ही दिमागी बुखार के लक्षण जैसे झटके आना, बेहोशी और कोमा जैसी स्थिति दिखाई देती है. इनमें से 50 से 60 प्रतिशत मरीजों की मौत हो जाती है. बचे हुए मरीजों में से लगभग आधे लकवाग्रस्त हो जाते हैं और उनके आंख और कान ठीक से काम नहीं करते हैं. जिंदगीभर दौरे आते रहते हैं. मानसिक अपंगता हो जाती है.

बचाव घर को साफ-सुथरा रखें

मच्छरों से बचाव के लिए कीटनाशक का प्रयोग करें. रात में सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें. इंसेफेलाइटिस रोग पैदा करने वाले मच्छर शाम को ही काटते हैं, इसलिए शाम को बाहर निकलते समय शरीर को ढककर ही निकलने को कहें. बच्चों को इंसेफेलाइटिस का टीका जरूर लगवाएं. इस टीके के तीन डोज होते हैं. यह शून्य से 15 साल तक के बच्चों को लगाया जाता है.

इलाज - इंसेफेलाइटिस के लिए कोई ऐसी दवा नहीं बनी है, जिसे खाने के बाद मरीज ठीक हो जाएं. डॉक्टर लक्षणों को देखकर इलाज करते हैं. बीमारी की जितनी जल्दी जानकारी होती है, मरीज के बचने की संभावना उतनी ही अधिक रहती है. इंसेफेलाइटिस में झटके, दिमाग में संक्रमण, डायरिया, ब्लड प्रेशर और न्यूमोनिया के लिए अलग-अलग दवाइयां दी जाती हैं . इंसेफेलाइटिस के मरीजों को अकसर वेंटीलेटर पर रखने की आवश्यकता पड़ती है. ऐसे में, मरीजों को उन्हीं हॉस्पिटलों में भर्ती किया जाना चाहिए जहां वेंटीलेटर और दूसरे आधुनिक उपकरणों की व्यवस्था हो अन्यथा जान जा सकती है.

कारण - इंसेफेलाइटिस फैलने के स्पष्ट कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन अब तक मुख्य कारणों में साफ-सफाई का अभाव माना जा रहा है. गंदगी की वजह से यह बीमारी एक-दूसरे में फैलती है. यह वायरस और बैक्टीरिया के माध्यम से फैलती है लेकिन जो बीमारी यहां पाई जाती है वह वायरस से फैलती है. जो सूअर और हिरोनस नामक पानी की चिड़िया के शरीर पर पाये जाते हैं. अगर इन्हें काटने के बाद मच्छर किसी मनुष्य को काट लें तो उसे इंसेफेलाइटिस होने की पूरी आशंका होती है. दूषित पानी से भी इस बीमारी के वायरस लारवा के रूप में फलते-फूलते हैं.

लक्षण - शुरुआत के 15 दिनों तक आम फ्लू जैसे रहना. बुखार, सिर दर्द, उल्टी, डायरिया और जुकाम आदि की शिकायत. बाद में मरीज को झटके आना, बेहोशी छा जाना. मेमोरी लॉस और व्यावहारिक परिवर्तन होना. कुछ मरीजों को लकवा मार जाना.

नीम की पत्तियां कैंसर में कारगर

कोलकाता के चितरंजन नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने नीम की पत्तियों से प्रारम्भिक परीक्षण में सफलता पाई है. भारतीय डॉक्टरों का दावा है कि नीम से कैंसर का इलाज भी संभव है. चूहों पर प्रयोग के बाद उनका उत्साह और बढ़ा है. नीम के औषधीय गुण तो सदियों से जगजाहिर हैं हीं. अब तक इसकी पत्तियों का इस्तेमाल रोजमर्रा के जीवन में होने वाली छोटी-मोटी बीमारियों के इलाज के अलावा जीवाणुओं और कीटाणुओं से लड़ने में किया जाता है. अब कोलकाता स्थित चितरंजन नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट (सीएनसीआई) के वैज्ञानिकों ने नीम को कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के खिलाफ लड़ने का एक असरदार हथियार बनाने का प्रयास किया हैं. चूहों पर इसके सफल परीक्षण के बाद अब जल्दी ही मनुष्यों पर भी इसका परीक्षण किया जाएगा.

नीम में है नीम लीफ ग्लाइकोप्रोटीन

कोलकाता स्थित संस्थान के वैज्ञानिकों की एक टीम ने लंबे अरसे तक चले परीक्षण के बाद छपे अपने दो पर्चो में बताया है कि नीम की पत्तियों से निकलने वाले एक खास किस्म के संशोधित प्रोटीन नीम लीफ ग्लाइकोप्रोटीन यानी (एनएलजीपी) के जरिए चूहों में ट्यूमर कोशिकाओं की वृद्धि रोकने में कामयाबी मिली है. यह प्रोटीन कैंसर से सीधे लड़ने की बजाय ट्यूमर से निकलने वाले जहरीले व घातक रसायनों के खिलाफ शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर देता है. प्रतिरोधक कोशिकाओं कैंसर जैसी घातक बीमारियों से शरीर की रक्षा करती है. इस शोध टीम ने अध्ययन में पाया कि एनएलजीपी में ट्यूमर कोशिकाओं और ट्यूमर के विकास में सहायक गैर परिवर्तित कोशिकाओं से जुड़ी ट्यूमर की सूक्ष्म पारिस्थितिकी को सामान्य करने की शक्ति मौजूद है. मूल रूप से एनएलजीपी ट्यूमर की सूक्ष्म पारिस्थतिकी में ऐसे बदलाव लाता है, जिससे उसका विकास रुक जाता है. वह कहते है कि कैंसर कोशिकाएं धीरे-धीरे विकसित होने पर प्रतिरोधक कोशिकाओं पर नियंत्रण कर लेती हैं. ऐसे में रोग से बचाने की जगह यह कोशिकाएं उल्टे कैंसर को फैलने में सहायता देने लगती हैं.

सुरक्षित साबित हुआ नीम का इलाज

शोध रिपोर्ट में इन वैज्ञानिकों ने सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित 17 मरीजों की कैंसर कोशिकाओं पर किए प्रयोग के नतीजे का भी खुलासा किया है. इस अध्ययन से उन्हें नीम की पत्तियों की सहायता से कैंसर के विकास पर अंकुश लगाने के तरीके का पता लगाया है. इससे पहले के कुछ वैज्ञानिक अध्ययनों में कहा गया था कि नीम प्रजनन तंत्र पर प्रतिकूल असर डाल सकता है. लेकिन हमने अपने शोध के जरिए इस संभावना को खारिज कर दिया है. इस शोध से अब तक के नतीजे काफी उत्साहजनक रहे हैं. जानवरों पर किए गए परीक्षणों में यह यौगिक बेहद सुरक्षित साबित हुआ है. कोई 13 साल पहले जब इस टीम ने नीम की पत्तियों के कैंसर रोधक गुणों का पता लगाने की दिशा में पहल की थी तो सबसे पहले कुछ प्रयोग किए गए. प्रयोगशाला में तैयार की गई कैंसर कोशिकाओं के अध्ययन पर उनके विचारों को बल मिला. इस पर टीम के सदस्यों ने बर्दवान विश्वविद्यालय के केमेस्ट्री के प्रोफेसर के साथ मिल कर ग्लाइकोप्रोटीन की पहचान की. उनकी टीम अब इस प्रोटीन की और बारीकी से जांच करके पता लगाएगी कि इसका कौन सा तत्व सही मायने में सक्रिय है. इसकी वजह यह है कि इस प्रोटीन में तीन हिस्से हैं. टीम की कोशिश यह पता लगाने की है कि यह प्रोटीन रेजिस्टेंट कैंसर के मामलों में भी प्रभावशाली होगा या नहीं. वह कहते हैं, एक खास चरण के बाद कैंसर वाले ट्यूमर लाइलाज हो जाते हैं. उन पर रेडियोथेरेपी या कीमोथेरेपी का भी कोई असर नहीं होता. उम्मीद है कि नीम लीफ ग्लाइकोप्रोटीन ऐसे मामलों में कैंसर के इलाज को प्रभावशाली बना सकेगा. प्रतिरोधक कोशिकाओं में कैंसर को मारने वाली कोशिकाओं का एक समूह होता है जिसे सीडी-8 प्लस टी कोशिकाएं कहते हैं. ट्यूमर कोशिकाओं की वृद्धि के साथ ही एनएलजीपी की वजह से टी कोशिकाओं की तादाद भी बढ़ जाती है. इससे कैंसर को विकसित होने से रोकने में सहायता मिलती है. यही प्रोटीन टी कोशिकाओं को निष्क्रिय होने से भी बचाता है. परीक्षण की इस प्रक्रिया को ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया समेत विभिन्न नियामक संस्थाओं के सामने पेश किया जाएगा. वहां से अनुमोदन मिलने के बाद मनुष्यों पर इसका परीक्षण शुरू किया जाएगा. वैज्ञानिकों के ताजा शोध के नतीजों से इस जानलेवा बीमारी से पीड़ित लोगों में उम्मीद की एक नई किरण पैदा हुई है.

देर से सोना और कम सोना मोटापे को दावत

देर से सोने और कम नींद लेने वालों के लिए सावधान हो जाने की खबर है क्योंकि ऐसा करने से वे मोटापे का शिकार हो सकते हैं. अमेरिकी शोधकर्ताओं ने पाया कि देर से और कम सोने वाले युवा लोगों के मोटापे की चपेट में आने की आशंका बहुत ज्यादा होती है क्योंकि वे देर रात के समय में कैलोरी का अधिक उपभोग करते हैं.एक अध्ययन में यह बात सामने आई है. पेन्सिलवेनिया विश्व विद्यालय में यह अध्ययन किया गया है. इसमें 225 स्वस्थ लोगों की शामिल किया गया जिनकी उम्र 22 से 50 साल के बीच थी. अध्ययन में पाया गया कि सिर्फ चार घंटे की नींद लगातार पांच रातों तक लेने वालों का वजन उन लोगों के मुकाबले ज्यादा बढ़ा जिन्होंने 10 घंटे की नींद ली. शोध में शामिल आंद्रिया स्पैथ का कहना है, ''पहले के अध्ययनों में भी यह कहा गया था कि कम सोने और वजन बढ़ने का संबंध होता है. परंतु हम इस अध्ययन में इससे हैरान रह गए कि कम सोने और देर से सोने वालों का वजन इतना अधिक बढ़ गया.''

सावधान!

खामोश हत्यारा है खर्राटा

नींद में खर्राटे आना, सोने पर सांस रुकना, दिन में ऊंघते रहना, थकान महसूस करना ये सभी लक्षण स्लीप एपनिया के हो सकते हैं. नींद में खर्राटे आना, सोने पर सांस रुकना या बेचैनी महसूस करना, दिन में अधिक नींद आना या लगातार ऊंघते रहना, दिन में थकान महसूस करना, सिरदर्द और सिर का भारी बने रहना, एकाग्रता की कमी और चिड़चिड़ापन, उदासीनता या अवसाद. ये सभी लक्षण स्लीप एपनिया के हो सकते हैं. हृदय रोग विशेषज्ञ बताते हैं कि यह घातक बीमारी है. यह एक आम समस्या है, लेकिन दुर्भाग्य से आम लोगों में इसके बारे में जानकारी का बहुत अभाव है. क्या है खर्राटा सोते समय शरीर की मांसपेशियों का लचीलापन अपेक्षाकृत बढ़ जाता है. यह प्रक्रिया श्वास-नली को खुला बनाए रखनेवाली मांसपेशियों में भी होती है. जब मांसपेशियों का यह लचीलापन एक स्तर से ज्यादा हो जाता है, तो श्वास-नली संकीर्ण हो जाती है. सांस लेने के दौरान खड़खड़ाहट की आवाज आने लगती है. यही आवाज खर्राटे के नाम से जानी जाती है. यह प्रक्रिया कुछ और बढ़ती है तो श्वास-नली पूरी तरह अवरुद्ध हो जाती है. इसके परिणामस्वरूप कई बार सांस रुक जाती है और शरीर को आवश्यक ऑक्सीजन मिलना बंद हो जाता है. यह रुकावट दस सेकंड या उससे ज्यादा समय के लिए भी हो सकती है. यह प्रक्रिया रात भर में सैकड़ों बार लगातार होती रहती है. इसके फलस्वरूप दिमाग, हृदय, गुर्दा, लीवर, पाचनतंत्र, जननतंत्र आदि अंग ऑक्सीजन की कमी से त्रस्त रहते हैं. ऑक्सीजन की कमी का सीधा परिणाम होता है कि नींद सुचारू रूप से पूरी नहीं हो पाती और दिन भर थकान, ऊंघ, सिरदर्द, चिड़चिड़ापन, एकाग्रता की कमी आदि महसूस करते हैं. घबराएं नहीं, इलाज कराएं. यह बीमारी लाइलाज नहीं है. इसकी चिकित्सा सहज एवं सुगम है. इसके लिए जरूरी है कि अनुभवी चिकित्सक को समस्या से अवगत कराया जाए. इलाज के दौरान बताए चिकित्सकीय निर्देशों का सावधानी से पालन करें. छोटी सी मशीन सीपैप का उपयोग सोते समय करने से भी इस बीमारी से छुटकारा पाया जा सकता है. इसके उपयोग से पहले अनुभवी चिकित्सक द्वारा जांच एवं उनकी सलाह अवश्य लेनी चाहिए.

इन्हें भी आजमाएं - वजन नियंत्रित रखें, अधिक मोटापा भी हो सकता है.

बीमारी का कारण - देर रात तक टीवी नहीं देखें, सोने से एक या आध घंटा पहले ही टीवी बंद कर दें. देर रात तक चाय-कॉफी का सेवन न करें. सोने के लिए बिस्तर की साफ-सफाई जरूरी है, बिस्तर आरामदायक हो. अधिक मोटा तकिये का उपयोग न करें.

बाबू जगजीवन राम छात्रावास में पांच नए कमरों का भूमि पूजन, जनसहयोग से होगा निर्माण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । कस्बे में उपखंड कार्यालय के समीप स्थित बाबू जगजीवन राम छात्रावास की भूमि पर बुधवार दोपहर पांच नए कमरों के निर्माण का विधिवत भूमि पूजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बाबा गरीबनाथ आश्रम के महंत योगी ईकसारनाथ महाराज ने की। मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी एडवोकेट भीम सिंह यादव उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में राधेश्याम यादव, बार एसोसिएशन अध्यक्ष उदयसिंह यादव, मेघवाल विकास समिति नीमराना अध्यक्ष एडवोकेट अशोक पनवाल, पूर्व तहसीलदार रामनिवास गोठवाल एवं ब्लॉक मेघवाल विकास समिति के पूर्व अध्यक्ष धनराज सिंह मेघवाल शामिल रहे। नवनिर्मित कमरों की आधारशिला महंत योगी ईकसारनाथ महाराज ने रखी। यह निर्माण कार्य समाज के विभिन्न परिवारों द्वारा अपने परिजनों की स्मृति में जनसहयोग से कराया जा रहा है। पहला कमरा स्वर्गीय चुन्नीलाल (सेवानिवृत्त पोस्टमास्टर) की धर्मपत्नी रेवती देवी की स्मृति में उनके पुत्र श्याम सुंदर पीटीआई, ओम प्रकाश एडवोकेट एवं

जितेंद्र सामरिया द्वारा बनवाया जा रहा है।

दूसरा कमरा प्रभातीलाल एवं उनकी पत्नी ग्यारसी देवी की स्मृति में उनके पुत्र रतनलाल थानेदार, डॉ. मनोज सामरिया एवं किरोड़ी लाल लाइनमैन द्वारा बनवाया जा रहा है। तीसरा कमरा स्वर्गीय झुथाराम पंच की स्मृति में उनकी धर्मपत्नी बनारसी देवी एवं पुत्र जयदयाल थानेदार, हनुमान प्रसाद, होशियार सिंह एवं अशोक द्वारा बनवाया जा रहा है। चौथा कमरा स्वर्गीय नेतराम पनवाल एवं सोना देवी की स्मृति में डाबड़वास सरपंच रामस्वरूप पनवाल एवं उनके सुपुत्र एडवोकेट अशोक पनवाल द्वारा निर्मित कराया जा रहा है। पांचवां कमरा बाबा गरीबनाथ आश्रम मंदिर के महंत योगी ईकसारनाथ महाराज अपने गुरु सामदा पीर रघुनाथ महाराज की स्मृति में बनवा रहे हैं। प्रोग्राम में ब्लॉक मेघवाल विकास समिति के अध्यक्ष एडवोकेट अशोक पनवाल द्वारा सभी अतिथियों का साफा एवं फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर महावीर मास्टर, पूर्व शिक्षा अधिकारी लक्ष्मण प्रसाद, सुंदरलाल भटेरिया, मदनलाल सरपंच, महेंद्र सिंह चौबारा, ताराचंद योगी, महेंद्र ठेकेदार, रमेश चंद सामरिया, राम सिंह पंच, पूर्णचंद्र अध्यापक, पूर्व पंच राजू सिंह सामरिया, प्रभुदयाल मोरोडिया, दुलीचंद मोरोडिया, नोत राम मास्टर, मदन सिंह सिइंगोया, जगदीश प्रसाद, बलवीर सिंह, गुरमन सिंह, एडवोकेट जितेंद्र सामरिया, एडवोकेट रविंद्र सामरिया, एडवोकेट अशोक मोरोडिया, एडवोकेट सतीश निमोरिया, एडवोकेट प्राणसुख सैनी, योगेश कहरवाल, हवलदार तेज सिंह सामरिया, गजेंद्र, एडवोकेट रामनिवास सामरिया, बीडी मास्टर, बाबूलाल पीटीआई, हेमंत शर्मा, धर्मवीर (पूर्व सरपंच सिलारपुर), पीतांबर, सुभाष चंद्र, नौपेंद्र शर्मा, सुरेश चंद्र रेवाड़िया, समेर सिंह सामरिया, थावरमल सामरिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक, ग्रामीण एवं महिलाएं उपस्थित रहीं। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि छात्रावास में कमरों के निर्माण से दूर-दराज से आने वाले विद्यार्थियों को बेहतर सुविधा मिलेगी और शिक्षा के क्षेत्र में समाज को नई दिशा मिलेगी। यह निर्माण कार्य सामाजिक एकता और जनसहयोग की मिसाल है।

टोहाना में पैदल गस्त अभियान: राजनगर वार्ड नं 02 में सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया

पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देशन में चौकियों द्वारा जनसुरक्षा व अपराध नियंत्रण पर विशेष ध्यान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में गुरुनानकपुरा मोहल्ला और राजनगर टोहाना क्षेत्र में पुलिस चौकियों द्वारा विशेष पैदल गस्त अभियान चलाया गया। यह अभियान नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और अपराधों पर नियंत्रण के उद्देश्य से आयोजित किया गया। गुरुनानकपुरा मोहल्ला में पुलिस चौकी गुरुनानकपुरा प्रभारी उपनिरीक्षक रमेश के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मोहल्ले की गलियों, मुख्य मार्गों और संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण किया। गस्त के दौरान टीम ने आसपास की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी सुरक्षा संबंधी समस्याओं को सुना गया और तत्काल समाधान हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई। इसी क्रम में राजनगर टोहाना क्षेत्र में पुलिस चौकी चंडीगढ़ रोड प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश के नेतृत्व में पैदल गस्त की गई। टीम ने बाजार, चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर पैनी नजर रखी। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों से संपर्क कर सुरक्षा संबंधी सुझाव प्राप्त किए।

गस्त के दौरान किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को रोकने के लिए विशेष सावधानी बरती गई। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध नियंत्रण के लिए चौकियों द्वारा नियमित पैदल गस्त अभियान निरंतर जारी रहेंगे। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से भी अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। गस्त अभियान के दौरान पुलिस टीम ने यह भी सुनिश्चित किया कि सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा उपायों का पालन हो और लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस पैदल गस्त अभियान से अपराधियों में भय उत्पन्न हुआ और आम जनता को सुरक्षा की बेहतर अनुभूति मिली।

आयुर्वेद शल्य चिकित्सा शिविर में साढ़े आठ हजार से अधिक रोगी लाभान्वित

आर्युवेद निरापद चिकित्सा पद्धति--बैरवा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

यहां महावीर भवन में राष्ट्रीय आयुष मिशन और आयुर्वेद विभाग की ओर से आयोजित निःशुल्क 10 दिवसीय क्षार सूत्र चिकित्सा शिविर में कुल 8534 रोगी लाभान्वित हुए। यह जानकारी देते हुए कहा मीडिया सलाहकार डॉ रमेश कस्वां ने बताया कि 26 जनवरी से 04 फरवरी तक आयोजित शिविर के बुधवार को हुए समापन समारोह में मुख्य अतिथि आयुर्वेद विभाग जयपुर संभाग के अतिरिक्त निदेशक बत्तीलाल बैरवा व चैतन्य प्रकाश थे। जबकि राजकुमार खीरवाल, उपनिदेशक डॉ महेश कुमार सोनी, सहायक निदेशक डॉ मुकेश दीक्षित, आयुर्वेद कॉलेज प्राचार्य डॉ महेन्द्र सौरठा, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ प्रेमलता पाण्डेय, कार्यवाहक उपखण्ड अधिकारी डॉ कल्पना, आयुर्वेद कॉलेज की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ मीनाक्षी श्योरान, श्रीमती संगीता सैनी विशिष्ट अतिथि थे। दस दिवसीय शिविर में कुल 8534 रोगियों का सफल उपचार किया गया एवं 104 अर्श भगन्दर रोगियों का सफल ऑपरेशन किया गया। मुख्य अतिथि बैरवा ने आयुर्वेद निरापद चिकित्सा पद्धति बताते हुए आमजन को इसको अधिकाधिक अपनाने का आह्वान किया।उपनिदेशक डॉ महेश कुमार सोनी ने कहा कि इस

प्रकार के शिविर आयुर्वेद विभाग की अनूठी पहल है एवं आमजन में आयुर्वेद के प्रति विश्वास बढ़ा है। मुख्य अतिथि ने शिविर का अवलोकन किया एवं व्यवस्थाओं से संतुष्ट होकर सराहना की। उन्होंने बताया कि शिविर में 246 रोगी भर्ती किये गए, 140 रोगियों के लैब इन्वेस्टीगेशन, 104 रोगियों किया शल्य चिकित्सा की गई। शिविर प्रभारी डॉ अरुण कुमार सैनी एवं डॉ नंदकिशोर शिवरान ने शिविर की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की एवं शिविर में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी चिकित्साधिकारी गण, नर्सिंग अधिकारी, परिचारक गण, मीडिया कर्मी आदि का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र मधुकर ने किया।

एडवोकेट केके सैनी के नेतृत्व में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डोडासरा को सोपा ज्ञापन

आम जनता की आवाज विधानसभा में उठाने के लिए डोडासरा को सोपा ज्ञापन

प्रशासन की हठधर्मिता के चलते आम जनता की नहीं हो रही है सुनवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । प्रशासन की हठधर्मिता, अक्रमणियता व अनदेखी से परेशान लोगो ने गिरवडी की भैंरू बणी में हजारों पेड़ों को काटने के विरुद्ध आंदोलन, एक माह से गुढ़ा बामलास में अवैध खनन व अभिभाषक संघ द्वारा उदयपुरवाटी में सप्ताह भर से चल रहा धरना प्रदर्शन व वकीलों द्वारा मांगों को लेकर की जा रही है भूख हड़ताल। जिसमें उदयपुरवाटी विधानसभा क्षेत्र में तीन-तीन धरना प्रदर्शन के चलते अरावली चेतना संस्थान सेवा समिति के संयोजक एडवोकेट केके सैनी के सानिध्य में लोगों ने राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को उदयपुरवाटी की समस्या को लेकर अवगत कराकर ज्ञापन

सोपा है, उदयपुरवाटी की आम जनता की परेशानी को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने समस्या का समाधान करने को लेकर विधानसभा में प्रश्न उठाने का विश्वास दिलवाया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने विश्वास दिलाया कि शीघ्र ही इन मुद्दों का समाधान करवा कर आम जनता को राहत मिलेगी और वकीलों की भूख हड़ताल से गिरते स्वास्थ्य एक गम्भीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। साथ ही एडवोकेट के के सैनी ने उदयपुरवाटी की कानून व्यवस्था की लचर व्यवस्था की भी जानकारी दी। इस पर अध्यक्ष महोदय ने सरकार का ध्यान आकर्षित करने का विश्वास दिलाया है इस दौरान काफी लोग मोजूद रहें।

सरकारी स्कूल में रेगुलर आने वाले टॉप 20 विद्यार्थियों को मिला सम्मान

टोंक छिलरी स्कूल की संस्था प्रधान संजू नेहरा का नवाचार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

समीपवर्ती टोंक छिलरी स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की संस्था प्रधान संजू नेहरा ने इस बार नवाचार करते हुए स्कूल के टॉप 20 ऐसे विद्यार्थियों का चयन कर उनका सम्मान किया है। जो ना केवल स्कूल में रेगुलर आते है। बल्कि स्कूल ड्रेस के साथ-साथ अनुशासन में रहते हुए पढाई करते है। इन बच्चों को गांव के भामाशाह व शिक्षा प्रेमी विद्याधर मूंड की ओर से सम्मान के रूप में शैक्षणिक सामग्री दी गई। संस्था प्रधान संजू नेहरा ने बताया कि स्कूल के विद्यार्थियों में अनुशासन के साथ रेगुलर स्कूल आने की प्रवृत्ति बढाने के लिए इस बार यह सम्मान शुरू किया गया है। अगले चरण में और भी विद्यार्थियों का क्रमवार सम्मान किया जाएगा। इस मौके पर गणतंत्र दिवस समारोह में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थियों को भी शैक्षणिक सामग्री भेंट कर उनका

उत्साहवर्धन किया गया। विद्याधर मूंड ने कहा है कि वे पहले भी स्कूल विकास में सहयोग करते रहे है,आगे भी जब भी जरूरत होगी वे हमेशा तैयार रहेंगे। उन्होंने बच्चों को पढाई के साथ-साथ अनुशासन में रहते हुए रेगुलर स्कूल आने का आह्वान किया। इस मौके पर वाइस प्रिंसिपल मोनिका पालीवाल, व्याख्याता संदीप कुमार, अर्पणा सैनी, हरिश कुमार, वरिष्ठ अध्यापक महावीरप्रसाद सैनी, ताराचंद डूडी, सतीश कुमार पालीवाल, रामलखन सैनी, अध्यापक जीवनराम, सज्जन सैनी, रमेशचंद्र, ओम छापोला, शारीरिक शिक्षक कुलदीप, कनिष्ठ सहायक अभिषेक, पंचायत सहायक सुमन शर्मा उपस्थित रहें।

खनन ब्लास्टिंग से गाँवों में दहशत, एससी-एसटी संघर्ष समिति ने कलेक्टर से की खान बंद करने की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति अत्याचार विरोधी जिला संघर्ष समिति, झुंझुनू का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को रामानंद आर्य के नेतृत्व में जिला कलेक्टर झुंझुनू से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपते हुए बालाजी एस.के.टी. झुंझुनू एवं सिद्धि विनायक ग्रेनाइट को आवंटित खानों को स्थायी रूप से बंद करने की मांग की। समिति ने बताया कि खान सुरक्षा महानिदेशालय, अजमेर द्वारा जिन खानों का आवंटन किया गया है, वे तहसील उदयपुरवाटी के

हुकुमपुरा व बामलाश गांवों में स्थित हैं। नियमों के अनुसार खनन क्षेत्र से आबादी की दूरी कम से कम 300 मीटर होनी चाहिए, जबकि मौके पर निरीक्षण में यह दूरी मात्र 180 मीटर पाई गई। प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि खनन ब्लास्टिंग के कारण हुकुमपुरा, बामलाश, खदेड़ों की ढाणी, खरबसों की ढाणी सहित आसपास की सरहदों में बने पक्के मकानों व नलकूपों में दरारें आ गई हैं, कई कुएं धंस गए हैं। चौबीसों घंटे होने वाली ब्लास्टिंग और मशीनों के शोर से महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों में भय का माहौल बना हुआ है, जिससे बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है।समिति ने बताया कि गांववासी 29 दिसंबर 2025 से दिन-रात धरने पर बैठे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति की महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हैं। संघर्ष समिति ने लोगों की जान-माल की सुरक्षा को देखते हुए खानों को स्थायी रूप से बंद करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में संरक्षक बलवीर सिंह काला, देवकरण सिंह महरिया, किशन लाल महरिया, रामनिवास भूरिया, सवाई सिंह सर्वा, पूरणमल मेघवाल, ज्ञानीराम मेघवाल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहें।

सख्त मॉनिटरिंग और बेहतर प्रबंधन से रोड़वेज की ऐतिहासिक छलांग

जनवरी 2026 में टारगेट से अधिक बस संचालन, करोड़ों की अतिरिक्त आय, काजड़ा में अधिकारियों का भव्य स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम ने जनवरी 2026 में अपने संचालन और आय दोनों ही मोर्चों पर ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। टारगेट से अधिक बस संचालन और करोड़ों की अतिरिक्त आय ने यह साबित कर दिया है कि यदि प्रबंधन मजबूत हो और मॉनिटरिंग सख्त हो, तो सरकारी संस्थान भी बेहतर परिणाम दे सकते हैं। इस सफलता के पीछे रोड़वेज के अधिकारियों और कर्मचारियों की संयुक्त मेहनत को प्रमुख कारण माना जा रहा है।

जनवरी 2026 के आंकड़े रोड़वेज के लिए उत्साहजनक रहे हैं। इस महीने रोड़वेज ने अपने निर्धारित लक्ष्य से 64 हजार 450 किलोमीटर अधिक बस संचालन किया। इस अतिरिक्त संचालन के चलते विभाग को 57 लाख 97 हजार 650 रुपये की अतिरिक्त आय हुई। यह उपलब्धि रोड़वेज के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव मानी जा रही है, क्योंकि इससे न केवल विभाग की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई, बल्कि यात्रियों को भी बेहतर परिवहन सुविधा मिली। यदि जनवरी 2025 के आंकड़ों से तुलना की जाए तो अंतर साफ दिखाई देता है। जनवरी 2025 में रोड़वेज की कुल आय 4 करोड़ 42 लाख 45 हजार 300 रुपये थी। वहीं जनवरी 2026 में यह आय बढ़कर 5 करोड़ 60 लाख 14 हजार 829 रुपये तक पहुंच गई। इस तरह विभाग ने एक ही वर्ष में 1 करोड़ 17 लाख 69 हजार 529 रुपये की शुद्ध अतिरिक्त कमाई दर्ज की है। विभाग के इतिहास में इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। सिर्फ आय ही नहीं, बल्कि बस संचालन में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जनवरी 2026 में रोड़वेज ने लक्ष्य से 86 हजार 4 किलोमीटर अधिक बस संचालन किया। इससे यह स्पष्ट होता है कि विभाग ने अपने संसाधनों का बेहतर उपयोग किया और यात्रियों की जरूरतों के अनुसार सेवाओं का

विस्तार किया। इस उपलब्धि के पीछे चीफ मैनेजर गिरिराज स्वामी का सख्त और सक्रिय प्रबंधन प्रमुख कारण माना जा रहा है। उनके कार्यभार संभालने के बाद विभाग में कई स्तरों पर सुधार किए गए। बसों की समयबद्धता, रूट की मॉनिटरिंग, स्टाफ की जवाबदेही और राजस्व पर विशेष ध्यान दिया गया। इसका सकारात्मक परिणाम जनवरी 2026 के आंकड़ों में साफ दिखाई दे रहा है। गिरिराज स्वामी के नेतृत्व में कई नई रणनीतियां अपनाई गईं। खाली चलने वाली बसों के रूट बदले गए, यात्रियों की मांग के अनुसार समय सारिणी में संशोधन किया गया और आय बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाए गए। इससे बसों की उपयोगिता बढ़ी और राजस्व में भी वृद्धि हुई। रोड़वेज प्रबंधन ने यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए कई ऐसे रूटों पर बसें चलाईं, जहां पहले परिवहन सुविधा सीमित थी। इससे ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों के लोगों को काफी राहत मिली। छात्रों, व्यापारियों, कर्मचारियों और आम यात्रियों को इससे सीधा लाभ मिला। विभाग ने बसों की तकनीकी स्थिति पर भी विशेष ध्यान दिया। नियमित जांच, समय पर मरम्मत और रखरखाव से बसों की कार्यक्षमता में सुधार हुआ। इससे अनावश्यक खराबी और देरी की समस्या कम हुई, जिसका सीधा असर संचालन और आय दोनों पर पड़ा। रोड़वेज स्टाफ की भूमिका भी इस उपलब्धि में अहम रही। ड्राइवरों, कंडक्टरों, मैकेनिकों और अन्य कर्मचारियों ने टीम भावना से काम किया। अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय के कारण विभाग अपने लक्ष्यों को हासिल कर पाया। इस उपलब्धि को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला। काजड़ा गांव में रोड़वेज चीफ मैनेजर गिरिराज स्वामी, एमओ मोनिका और रोड़वेज स्टाफ का भव्य स्वागत किया गया। ग्रामीणों ने फूलमालाओं और साफों से अधिकारियों का सम्मान किया। स्वागत समारोह में ग्रामीणों ने कहा कि नई बस सेवा और बेहतर संचालन से गांव के लोगों को बड़ी सुविधा मिली है। पहले जहां लोगों को यात्रा के लिए निजी वाहनों पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब नियमित बस सेवा से उनकी आवाजाही आसान हो गई है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि रोड़वेज की यह उपलब्धि केवल विभाग की नहीं, बल्कि जनता के सहयोग का भी परिणाम है। जब यात्रियों को बेहतर सेवा मिलती है, तो उनका भरोसा बढ़ता है और आय में भी वृद्धि होती है। चीफ मैनेजर गिरिराज स्वामी ने इस अवसर पर कहा कि विभाग की प्राथमिकता यात्रियों की सुविधा और सुरक्षित यात्रा है। उन्होंने कहा कि रोड़वेज में पारदर्शिता, अनुशासन और समयबद्धता को सख्ती से लागू किया गया है, जिसका सकारात्मक परिणाम अब सामने आ रहा है। उन्होंने कर्मचारियों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरी टीम की संयुक्त मेहनत का परिणाम है। आगे भी इसी तरह की कार्यशैली को अपनाते हुए विभाग को और आगे बढ़ाया जाएगा।एमओ मोनिका ने भी विभाग की उपलब्धि पर संतोष जताते हुए कहा कि यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में और नई योजनाएं लागू की जाएंगी। रोड़वेज अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में भी इसी तरह की सख्त मॉनिटरिंग जारी रहेगी। विभाग का लक्ष्य है कि हर क्षेत्र तक सुरक्षित, सुलभ और समयबद्ध परिवहन सेवा पहुंचाई जाए। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इसी तरह की कार्यप्रणाली आगे भी जारी रही, तो रोड़वेज आने वाले समय में और बेहतर परिणाम हासिल कर सकता है। इससे न केवल विभाग की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि यात्रियों को भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

जनवरी 2026 की यह उपलब्धि रोड़वेज के लिए एक प्रेरणा बनकर सामने आई है। इससे यह साबित हुआ है कि योजनाबद्ध संचालन, सख्त मॉनिटरिंग और टीमवर्क से किसी भी विभाग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। कुल मिलाकर जनवरी 2026 रोड़वेज के लिए उपलब्धियों का महीना साबित हुआ है। लक्ष्य से अधिक बस संचालन, करोड़ों की अतिरिक्त आय और यात्रियों को बेहतर सुविधा–इन सभी पहलुओं ने विभाग को नई पहचान दिलाई है। काजड़ा गांव में हुआ भव्य स्वागत इस उपलब्धि की सामाजिक स्वीकृति और जनता के विश्वास का प्रतीक बनकर सामने आया है। आने वाले महीनों में यदि इसी तरह की उपलब्धियां जारी रहती हैं, तो रोड़वेज प्रदेश के परिवहन तंत्र में एक नई मिसाल कायम कर सकता है। यह सफलता सरकारी व्यवस्थाओं के लिए भी एक सकारात्मक संदेश है कि बेहतर प्रबंधन और ईमानदार प्रयासों से किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

नावदी मेले में कुश्ती दंगल का रोमांच, 51 व 31 हजार की कुश्तियां बराबरी पर छूटीं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.अटेली।

मनोज बुलाण । खंड के गांव नावदी में श्री बाबा दाता साहब जी महाराज का वार्षिक मेला श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। मेले में श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में मत्था टेककर मन्नतें मांगीं। इस अवसर पर कुश्ती दंगल, सत्संग और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। मेला कमेटी के अनुसार इस बार दंगल में 51 रुपये से लेकर 51 हजार रुपये तक की कुश्तियां कराई गईं। बाबा की महिमा का गुणगान जयवीर भाटी एंड पार्टी द्वारा किया गया। दंगल की सबसे बड़ी 51 हजार रुपये की कुश्ती जोरा सिंह अखाड़ा गोदड़ी के आशीष टिकान और आदमपुर दाढ़ी नरेंद्र

अखाड़ा के प्रतीक उर्फ भोला सिंह के बीच हुई, जो कड़े मुकाबले के बाद बराबरी पर छूटी। वहीं 31 हजार रुपये की कुश्ती अंकुश अहरी और मंजीत खत्री (बहादुरगढ़ स्टेडियम) के बीच बराबरी पर रही। इसके अलावा 11 हजार रुपये की कुश्ती सहित कुल सात कुश्तियां बराबरी पर समाप्त हुईं, जबकि 7100 रुपये की 14 कुश्तियों में पहलवानों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। मेला कमेटी ने सभी पहलवानों को सम्मान स्वरूप पुरस्कार राशि भेंट की। दंगल में रेफरी नानक पाल सिंह चावड़ी और किसान नगर के कर्मबीर पहलवान ने निष्पक्ष व सराहनीय निर्णय दिए। कोच के रूप में रामनिवास खेड़ी, महेश और जोनी (मुंडिया खेड़ा) ने सहयोग किया। मेले में बाबा का देशी घी का भंडारा भी आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर गांव के सरपंच प्रतिनिधि राकेश कुमार, मेला कमेटी प्रधान जले सिंह, बीर सिंह, धर्मपाल मास्टर, अशोक पंच, राजकुमार फौजी, रामकिशन एडवोकेट, बनवारी लाल एडवोकेट, परसराम बोहरा, हरिसिंह, बिरेंद्र, महिपाल मास्टर, भीमराज, ताराचंद प्रवक्ता सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अनूठा नवाचार - सकारात्मक पहल से साथ ही हुआ प्लास्टिक मुक्त विवाह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

विश्व हिन्दू परिषद की ओर से शुरू किए गए प्लास्टिक मुक्त नवलगढ़ अभियान के तहत बेडवाल परिवार को 'पर्यावरण योद्धा' के रूप में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। बेडवाल परिवार ने प्लास्टिक मुक्त विवाह करके अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। आठ हवेली के पास रहने वाले हरिकिशन बेडवाल के पुत्र अभिषेक का विवाह निश्चित हुआ। विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं ने उनसे मिलकर विवाह समारोह में पर्यावरण संरक्षण हेतु प्लास्टिक के डिस्पोजेबल का प्रयोग ना करके कागज के डिस्पोजेबल प्रयोग करने का आग्रह किया। इस पर बेडवाल परिवार ने विवाह के उपलक्ष्य में पूर्णत: प्लास्टिक मुक्त प्रीतिभोज का आयोजन करके समाज के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इसके लिए विश्व हिन्दू परिषद की प्रखण्ड टोली ने बेडवाल परिवार को 'पर्यावरण योद्धा' के रूप में आकर्षक प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। विश्व हिन्दू परिषद के प्रखण्ड अध्यक्ष राम मोहन सेकसरिया ने बताया कि नवलगढ़ को प्लास्टिक मुक्त करने हेतु विभिन्न चरणों पर कार्य किया जा सकता है। जिसमें सब्जी लाने आदि में प्लास्टिक थैलियों का उपयोग ना करना, खराब थैलियों को बोतल में भरना सहित विभिन्न उपाय सम्मिलित हैं। इस अवसर पर विभाग प्रचारक मुकेश कुमार, जिला प्रचारक भगतसिंह, खण्ड प्रचारक अभिषेक कुमार, गुढ़ा खण्ड संघ चालक संदीप चौधरी, गुढ़ा खण्ड कार्यवाह विवेक, नवलगढ़ खण्ड कार्यवाह विनोद जाखड़, विश्व हिन्दू परिषद के संरक्षक रामकुमार सिंह राठौड़, प्रखण्ड अध्यक्ष राम मोहन सेकसरिया, हरिराम सैनी, लखन बेडवाल, पंकज सैनी, चण्डी प्रसाद कौशिक व पवन शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

एएनसी सेल फतेहाबाद की बड़ी कार्रवाई: रतिया में अमर क्लीनिक की आड़ में चल रहा था नशे का अवैध कारोबार, तीन डॉक्टर काबू

कमर्शियल मात्रा में नशीली गोलियां व इंजेक्शन बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/रतिया।

रजत विजय रंगा । नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एएनसी सेल फतेहाबाद एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में की गई इस कार्रवाई के दौरान रतिया शहर के टोहाना रोड स्थित आजाद मार्केट में बने अमर क्लीनिक पर छापेमारी की गई, जहां डाक्टरी की आड़ में नशीली दवाओं का अवैध कारोबार फल-फूल रहा था। छापेमारी के दौरान टीम ने क्लीनिक से कमर्शियल मात्रा में कुल 3,021 नशीली गोलियां, टैबलेट व इंजेक्शन बरामद किए तथा क्लीनिक संचालित कर रहे तीन डॉक्टरों को काबू किया गया।

पुलिस के अनुसार, अमर क्लीनिक के संबंध में काफी समय से गुप्त सूचनाएं मिल रही थीं कि यहां बिना वैध अनुमति नशीली दवाओं का भंडारण कर उन्हें बेचा जा रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद एएनसी सेल फतेहाबाद ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर एक संयुक्त टीम का गठन किया और पूरी योजना के तहत क्लीनिक पर रेड की गई। छापेमारी के दौरान क्लीनिक की गहन तलाशी ली गई, जिसमें प्रतिबंधित श्रेणी की नशीली दवाइयों की बड़ी खेप बरामद हुई। बरामद सामग्री में 1,199 एल्प्राजोलम टैबलेट, 23 डायजेपाम इंजेक्शन, 9 ट्रामाडोल इंजेक्शन, 860 ट्रिफ्लो एचसीआई टैबलेट तथा 80 लिब्रेरियन प्लस टैबलेट शामिल हैं। यह सभी दवाइयां कमर्शियल मात्रा में पाई गईं, जिन्हें बिना किसी वैध लाइसेंस व अनुमति के संग्रहित कर अवैध रूप से बेचा जा रहा था। मौके से काबू किए गए आरोपियों की पहचान डॉक्टर विनोद शर्मा पुत्र मोहन लाल निवासी न्यू टाउन रतिया, अमरजीत पुत्र मनोहर निवासी डेजी कॉलोनी रतिया तथा नरेश कुमार पुत्र सीताराम निवासी डेजी कॉलोनी रतिया के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तीनों आरोपी डॉक्टर अपने पेशे की आड़ में नशीली दवाओं के अवैध कारोबार में संलिप्त थे।

एएनसी सेल फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक यादवेंद्र ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर यह कार्रवाई की गई। बरामद नशीली दवाओं को कब्जे में लेकर नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई गई है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा क्लीनिक से संबंधित लाइसेंस, दवाइयों के स्टॉक रजिस्टर व अन्य दस्तावेजों की गहनता से जांच की जा रही है। इस संबंध में थाना शहर रतिया में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन नशीली दवाओं की सप्लाई कहां से की जा रही थी तथा किन-किन क्षेत्रों में इनकी आपूर्ति की जाती थी। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि नशे के खिलाफ अभियान पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा और समाज को नशे की गिरफ्त में धकेलने वालों के खिलाफ बिना किसी भेदभाव के कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पंचायत चुनावों में भाकपा-माले उतारेगी उम्मीदवार,

12 फरवरी की आम हड़ताल का समर्थन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) आगामी पंचायत चुनावों में जिले भर की पंचायत समितियों एवं जिला परिषद के वार्डों में अपने उम्मीदवार उतारेगी। यह निर्णय बुधवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित भाकपा-माले एवं अखिल भारतीय किसान महासभा की संयुक्त बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता कामरेड सूरजभान सिंह ठोठी ने की। बैठक में पारित प्रस्ताव में भारत सरकार द्वारा यूरोपीय संघ के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते एवं हाल ही में अमेरिका -भारत व्यापार समझौते की कड़ी आलोचना की गई। पार्टी ने इन समझौतों को भारी सब्सिडी पर आधारित विदेशी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में प्रवेश देने वाला बताते हुए किसानों के हितों के विरुद्ध करार दिया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 12 फरवरी की मजदूर आम हड़ताल के समर्थन में संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन के तहत झुंझुनूं में भी अन्य घटक संगठनों के साथ मिलकर प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही 5 फरवरी से 11 फरवरी तक एक सप्ताह का जागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया, जिसमें अमेरिका-भारत व्यापार समझौते का विरोध, एमएसपी को कानूनी गारंटी, बिजली विधेयक 2025 को वापस लेने, झुंझुनूं जिले में यमुना नहर लाने, तथा ओलावृष्टि व शीत लहर से वर्ष 2022-23 की रबी फसलों में हुए नुकसान के मुआवजे से वंचित किसानों को राहत देने जैसी मांगों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। अखिल भारतीय किसान महासभा द्वारा इस दौरान सदस्यता अभियान चलाने एवं ग्राम समितियों के गठन का भी निर्णय लिया गया। बैठक में भाकपा-माले के जिला सचिव एवं अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय सचिव कामरेड रामचंद्र कुलहरि, किसान महासभा के जिला अध्यक्ष कामरेड ओमप्रकाश झारोड़ा, जिला उपाध्यक्ष कामरेड इंद्राज सिंह चारावास, सहित बड़ी संख्या में पार्टी व किसान संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

कुतुबपुरा में पेयजल संकट होगा दूर: भाजपा नेता राजेश दहिया ने किया नए ट्यूबवेल का शिलान्यास

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

क्षेत्र के कुतुबपुरा गाँव में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। बुधवार को पिलानी से भाजपा के पूर्व प्रत्याशी एवं युवा नेता राजेश दहिया ने डीएमएफटी (DMFT) मद से स्वीकृत नवीन ट्यूबवेल का विधि-विधान से शिलान्यास किया। इस सौगात पर हर्ष जताते हुए ग्रामवासियों ने दहिया का गर्मजोशी से स्वागत किया और आभार जताया। शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए राजेश दहिया ने कहा कि प्रदेश की संवेदनशील 'डबल इंजन' भाजपा सरकार हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुँचाने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं भू-जल मंत्री कन्हैयालाल का हृदय से आभार व्यक्त किया। दहिया ने विश्वास दिलाया कि क्षेत्र के विकास और जनसमस्याओं के समाधान के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर उप सरपंच भगवती सिंह बारहठ, सहकारी समिति धतरवाला अध्यक्ष प्रदीप कुमार शर्मा, कप्तान महेंद्र सिंह राठौड़, नरेन्द्र राठौड़, कायम राठौड़, राम कुमार, भोपाल सिंह, सवाई सिंह, उमेंद सिंह, राजवीर सिंह, सम्पत सिंह, जयदेव सिंह और बजरंग सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दयाराम बुडानिया, अशोक जाखड़, महेंद्र बुडानिया, दरिया सिंह, दयाचंद जाखड़, रामेश्वर जांगीड़, शयोराम मेघवाल, नौरंग मेघवाल, धर्मपाल चोपड़ा, हरलाल मेघवाल, हजारी मेघवाल, इन्द्र मेघवाल, निवास जांगिड़, पंकज बारहठ, शिवराज बारहठ, दिपेंद्र बारहठ, पशु-चिकित्सक कुलदीप बारहठ एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

Raj- CES योजना का विरोध, संविदा भर्ती का विरोध

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (उच्च शिक्षा) की मास्टर हजारीलाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय इकाई ने Raj-CES महाविद्यालयों की वर्तमान व्यवस्था के विरुद्ध शंखनाद कर दिया है। बुधवार को प्राध्यापकों ने मुख्य द्वार पर काली पट्टी बांधकर और प्ले-कार्ड्स के साथ शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते हुए संविदा नियुक्तियों पर तत्काल रोक लगाने की माँग की। शिक्षा नीति के विपरीत है वर्तमान ढांचा महासंघ का आरोप है कि प्रदेश के 374 Raj-CES महाविद्यालयों का स्वरूप 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020' की मूल भावना के विपरीत है। संगठन के अनुसार, लगभग 260 कॉलेजों में एक भी स्थायी शिक्षक नहीं है। शोध, नवाचार और बुनियादी ढांचे के अभाव में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता गिर रही है। प्रतिनिधिमंडल ने उपखंड अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री, राज्यपाल एवं प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। प्राध्यापकों ने भर्ती परीक्षा कैलेंडर-2026 के तहत 28,500 रुपये के नियत वेतन पर 2,8500 टीचिंग एसोसिएट की संविदा भर्ती को 'असुरक्षित और नीति-विरोधी' करार दिया। सोडाणी समिति की सिफारिशें सार्वजनिक कर तुरंत लागू की जाएं। सभी Raj-CES कॉलेजों को सामान्य राजकीय महाविद्यालयों में बदला जाए। संविदा भर्ती प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगे। प्रदर्शन में इंद्रा सैनी, परमानंद शर्मा, बाबूलाल वर्मा, सोमवीर, शिल्पा धानिया, लक्ष्मण सैनी और राजेंद्र पुनिया सहित कई अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। महासंघ ने चेतावनी दी है कि यदि ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

वार्षिक उत्सव व भामाशाह सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

प्रतिभावान छात्र छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.अन्ता।

बारां जिले के पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अन्ता में बुधवार को वार्षिकोत्सव व भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ममता चौधरी ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में छात्र-छात्राओं को कड़ी मेहनत कर बोर्ड परीक्षा में अच्छे प्रदर्शन हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वार्ड पार्षद एवं एसडीएमसी के वरिष्ठ सदस्य धनराज चौरसिया मौजूद रहे तो वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यालय के पूर्व छात्र रहें।प्रधानाचार्य तरुण शर्मा ने भी अपनी उपस्थिति दी। वहीं इसके साथ ही अतिथि के रूप में तालुकात विधि सेवा समिति से पीएलवी प्रेमलता खत्री, अंतरराष्ट्रीय वैश्य महा सम्मेलन इकाई अन्ता की अध्यक्ष पूनम ओढ़, प्रधानाचार्या मनीषा रानी शर्मा, उप प्रधानाचार्य अकील अहमद, योगेश कुमार व्यास, रामनिवास माली, समाज सेवक संजय बागड़ी एवं पत्रकार बंधु मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पूर्व सत्र के बोर्ड परीक्षा में अव्वल रहने वाले विद्यार्थियों सहित स्काउट गाइड गतिविधि, यूथ क्लब आदि गतिविधियों के विजेता छात्र-छात्राओं को अतिथियों के द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

विद्यार्थियों ने दी विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां

कार्यक्रम में स्थानीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अनेकता में एकता,राजस्थानी सभ्यता संस्कृति तथा देशभक्ति से ओतप्रोत विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश की जिन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का मन मोह लिया। मंच संचालन विद्यालय की अध्यापिका सुरभि खंडेलवाल ने द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य वेणी प्रसाद वर्मा ने कुछ पंक्तियां गाकर सुनाते हुए बच्चों को पढ़कर आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करते हुए सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय की उप प्रधानाचार्य श्वेता शर्मा ,उर्मिला मीणा के साथ ही समस्त स्टाफ सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

मुथूट फिनकॉर्प की बनाड़ ब्रांच का शुभारंभ, स्थानीय ग्राहकों को मिलेंगी किफायती वित्तीय सेवाएं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जोधपुर।

मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड की बनाड़ ब्रांच का भव्य शुभारंभ बुधवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जेडीए चेयरमैन एवं पूर्व राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह सोलंकी तथा खोखरिया के सरपंच गोविंद सियाग ने फीता काटकर शाखा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कंपनी के रिजनल मैनेजर आशीष लालपुरिया, एरिया मैनेजर चित्रा राठौड़, ब्रांच मैनेजर अमजद खान सहित अन्य शाखाओं के मैनेजर वरुण चौहान, विनोद पंवार, गणपत चौहान, प्रदीप शर्मा, आदित्य बंसाली एवं सचिन सर्वटे मौजूद रहे। साथ ही समाजसेवी नीरज चौधरी, निखिल शर्मा, प्रवीण रावर, दयाराम चौधरी, कुशाल सिंह, कैलाश प्रजापत, प्रवीण पंडित, आयुष राजोरिया, गोपालकृष्ण, मीनाक्षी देवड़ा, शारदा डूडी, शाहरुख खान, जसवंत सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहें। शाखा में गोल्ड लोन, होम लोन, बिजनेस लोन, बीमा सेवाएं, विदेश में धन प्रेषण, किस्तों पर गोल्ड बुकिंग तथा मनी ट्रांसफर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। नई ब्रांच के खुलने से बनाड़ सहित आसपास के क्षेत्रों के ग्राहकों को किफायती दरों पर ऋण एवं अन्य वित्तीय सेवाओं का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में अतिथियों ने मुथूट फिनकॉर्प द्वारा स्थानीय स्तर पर रोजगार और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की।

एकाउंटेंट शीतल शर्मा का शहीद सुमेर सिंह राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में किया स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) की उपशाखा मंडावा द्वारा मंडावा सीबीईओ कार्यालय में कार्यरत एकाउंटेंट शीतल शर्मा का जयपुर हरिशचन्द्र माथुर प्रशासनिक प्रशिक्षण केन्द्र में पैंतीस दिवसीय प्रशिक्षण लेकर पधारने पर शहीद सुमेर सिंह राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में स्वागत किया गया। इस अवसर राजस्थान शिक्षक संघ(राष्ट्रीय) उपशाखा मंडावा के अध्यक्ष मूलसिंह शेखावत एवं स्टाफ साथियों द्वारा शाल ओढाकर, माला भेंटकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक नरसाराम, अध्यापक युनुस अली, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मैना,सहायक सीमा, मनीषा, शोयल उपस्थित रहें।

आने वाले समय में ओर मेडिकल कालेज खोले जाएंगे-आरती सिंह राव

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह ने डीसी को अटेली में बुलाकर विकास कार्यों को लेकर सैनिक रेस्ट हाउस में बैठक की

आने वाले दिनों में अटेली चमके इसके लिए विशेष कार्य किये जा रहे है- मंत्री आरती सिंह राव

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बुधवार को अटेली स्थित सैनिक विश्राम गृह में जिला उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार से जिले के विकास कार्यों को लेकर विशेष बैठक की। अचानक बैठक होने पर जिले व अटेली के अधिकारी सतर्क हो गये। लंबे अंतराल के बाद कोई मंत्री या बड़ा अधिकारी सैनिक विश्राम गृह अटेली में आने पर उसकी आनन फानन में साफ सफाई की गई। अटेली क्षेत्र में रेस्ट हाउस बनाने के लिए लंबे समय से मांग चल रही है। रेस्ट हाउस के बाद मीटिंग करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह ने कहा की अटेली को चमकाने के लिए वह अपना प्रयास कर रही है इसके अलावा जिले में विकास के नए आयाम दिये जाएंगे। पटीकरर स्थित आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में चल रहें छात्रों के धरने में हड़ताल पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा की 2017 में कालेज बना था उस समय वह जनप्रतिनिधि नहीं थी, लेकिन नये बजट में प्रावधन कर हास्टल, कैंटीन की सुविधा प्रदान की जाएगी। सरकारी अस्पताल में बेहतरीन सुविधाएं हो इसके लिए स्पेशली कार्य किये जा रहे है। पहले प्रदेश में एफआरयू 54 हुआ करते थे लेकिन अब हरियाणा में मार्च तक 100 के ऊपर होने वाले हैं। प्रदेश में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए पुरानी मेडिकल मशीनों को बदला जा रहा है। पहले प्रदेश में उनके कार्यकाल में दो-दो बड़े-मेडिकल कॉलेज खुले थे जिसमें एक भिवानी व कोरियावास अब नये मेडिकल कालेज खोले जाएंगे। नये बजट सत्र में अटेली समेत अनेक विकास कार्य को अंजाम दिया जाएगा। बाछौद एयर फिल को विस्तार किया जा रहा है। धीरे-धीरे अटेली केा चमकाने के लिए कार्य किये जा रहे है। मेडिकल की सीटे को 2700 तक कर दिया गया है। एमडी की सीटे भी 100 बढ़ा दी गई है। इससे पूर्व मंत्री अटेली स्थित अपने कार्यालय यमें पहुंच कर लोगों की समस्याओं को सुना। इस मौके पर नपा के पूर्व चेयरमैन विकास यादव, मार्केट कमेटी के चेयरमेन दिनेश जेलदार, चेयरमैन जेपी कोटिया, राजेंद्र चेयरमैन, राधेश्याम ढ़ाण सरपंच,वाईस चेयरमैन रामकिशन जांगिड़, बिरेद्र पार्षद, आनंद शर्मा, अंशुल गोयल,वासदेव यादव समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। बता दे कि विश्राम गृह का 1995 में चौधरी भजनलाल ने उद्घाटन किया था। वैसे अटेली कस्बे में कोई दूसरा रेस्ट हाउस ने होने के कारण यहां मंत्री स्तर की बैठक व दूसरे कार्य होने में दिक्कत होती है। हालांकि अटेली में रेस्ट हाउस बनाने की चर्चा चली हुई है। बॉक्स- इसके बाद मंत्री आरती सिंह राव सुजापुर गांव में सतबीर सरपंच के लड़के के लग् ने समारोह में पहुंच कर लड़को को आशिर्वाद दिया। समारोह में पूर्व मंत्री ओमप्रकाश एडीओं, पूर्व विधायक सीताराम यादव भी शरीक हुए। मंत्री आरती राव ने कहा कि सतबीर सरपंच बहुत अच्छे व्यक्ति है तथा लडक्री जो अटेली विधानसभा से ही वो परिवार भी सुशिक्षित तथा अच्छा परिवार है।

भारतीय वायुसेना भर्ती टीम द्वारा जिले में भर्ती प्रक्रिया की जानकारी एवं करियर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । कैरियर जागरूकता एवं वायुसेना की भर्ती प्रक्रिया से संबंधित जानकारी देने हेतु बुधवार को वायु सेना चयन केंद्र, जोधपुर भारतीय वायुसेना टीम द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कमान अधिकारी विंग कमांडर अभिषेक कटोच के नेतृत्व में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में वायु सेना चयन केंद्र के कमान अधिकारी ने विद्यार्थियों को विस्तारपूर्वक पूरी भर्ती प्रक्रिया की चरणबद्ध जानकारी दी। शैक्षणिक योग्यता मानदंडों एवं परीक्षा के पैटर्न से बच्चों को सफलता प्राप्त करने हेतु कठोर परिश्रम करने हेतु प्रेरित किया गया। भारतीय वायुसेना में अग्निवीर एवं अधिकारी पदों पर भर्ती की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही विद्यार्थियों के प्रश्नों के समाधान भी किए गए। विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों के पालन, अनुशासन हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में वायुसैनिक चयन केंद्र जोधपुर से कमान अधिकारी के साथ आई प्रचार टीम के पदाधिकारियों सार्जेंट अवध किशोर शर्मा एवं सार्जेंट नरपत दान एवं टी आर भील एवं अंकित का योगदान रहा । कार्यक्रम के संचालन में संस्थान के उप निदेशक कैलाश शर्मा, कॉर्डिनेटर अनवर एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रशासन की विशेष भूमिका रही।

पालडीवाला सोसाइटी में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना जागरूकता शिविर 10 फरवरी को

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

पालडीवाला सोसाइटी व जिला उद्योग केन्द्र सीकर द्वारा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना पर जागरूकता शिविर पालडीवाला आईटीआई बासनी रोड लक्ष्मणगढ़ में 10 फरवरी को आयोजित होगा। यह जानकारी देते हुए संस्थान के प्राचार्य राकेश मालवीय ने बताया कि पालडीवाला सोसाइटी और जिला उद्योग केन्द्र सीकर के द्वारा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के प्रचार- प्रसार एवं युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर प्रातः 11 बजे प्रारंभ होगा। जिसमें लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र के शिक्षित, आईटीआई एवं अन्य तकनीकी युवाओं को स्वयं का उद्योग अथवा सेवा व्यवसाय शुरू करने हेतु उपलब्ध सरकारी ऋण योजनाओं, अनुदान एवं आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। शिविर में युवाओं को उद्योग क्षेत्र के लिए 25 लाख रुपए तक एवं सेवा क्षेत्र के लिए 10 लाख रुपए तक के ऋण की जानकारी दी जाएगी। साथ ही योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को मिलने वाले 15 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक के सरकारी अनुदान (सब्सिडी) के बारे में भी विस्तार से बताया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा युवाओं को ऑन द स्पॉट मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा जिससे वे अपनी परियोजना रिपोर्ट तैयार कर सकें। जागरूकता शिविर में भाग लेने हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण तथा आयु सीमा 18 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि संस्था मे जिला उद्योग केन्द्र, सीकर की महाप्रबंधक विकास और उनके अधिकारी एवं टीम सदस्यो द्वारा लक्ष्मणगढ़ के सभी का केन्द्र में उचित सूचना एवं रजिस्ट्रेशन किया जायेगा। साथ ही जरूरतमंद युवाओ, व्यापारी, उद्यमी एवं केन्द्र के यह शिविर क्षेत्र के उन सभी युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है जो आत्मनिर्भर बनकर स्वयं का रोजगार शुरू करना चाहते हैं। शिविर में विभाग की अन्य योजना जैसे डॉ भीमराव अंबेडकर दलित आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना, विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना, अन्य उद्योग विभाग की योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

एसआईआर: विशेष रोल आब्जर्वर मुथुकुमारसामी बी.ने ली बैठक, किया निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

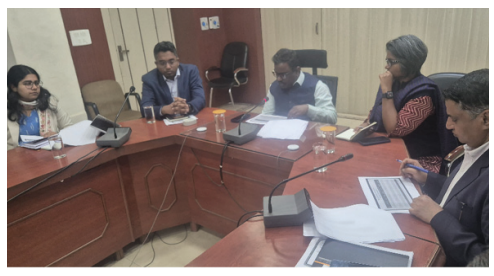

सोहनलाल परिहार । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत विभिन्न स्तरों पर किए गए कार्यों की समीक्षा के लिए नियुक्त विशेष रोल ऑब्जर्वर तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मुथुकुमारसामी बी., ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक ली। उन्होंने कहा कि त्रुटिरहित मतदाता सूचियां तैयार करने के लिए प्रत्येक अधिकारी पूर्ण गंभीरता से कार्य करें। उन्होंने नए मतदान केंद्रों के गठन, बीएलओ और बीएलए नियुक्ति, फॉर्म 6 और 7 के निस्तारण की स्थिति सहित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नम्रता वृष्णि, अतिरिक्त निर्वाचन अधिकारी मयंक मनीष, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार यादव, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी बीकानेर (पूर्व) महिमा कसाना निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी बीकानेर (पश्चिम) रमेश देव मौजूद रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले में अब तक हुई एसआईआर की प्रगति की जानकारी दी। विशेष रोल आब्जर्वर ने कहा कि यह कार्य पूर्ण गंभीरता से किया जाए। इस दौरान संबंधित क्षेत्र के बीएलओ मौजूद रहे। विशेष रोल आब्जर्वर ने नो मैपिंग डेटा वाले मतदाताओं की सुनवाई के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

चंवरा-किशोरपुरा के मोरिंडा धाम में ब्रह्मलीन संत बनवारी दास महाराज की पुण्य तिथि पर कल होगा विराट हिन्दू सम्मेलन

सुबह निकाली जाएगी चंवरा के श्री राम मंदिर से भव्य कलश यात्रा

बाबा लक्ष्मण दास महाराज सहित हिन्दू समाज के वरिष्ठ लोग होंगे शामिल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चंवरा।

सुमेर मीणा । चंवरा-किशोरपुरा सीमा पर स्थित श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर पलटूदास अखाड़ा मोरिंडा धाम में 6 फरवरी को विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। आश्रम के ब्रह्मलीन संत बनवारी दास महाराज की पुण्य तिथि पर आयोजित इस सनातनी कार्यक्रम में कई संत महात्मा एवं वरिष्ठ लोग शामिल होंगे। शुक्रवार को प्रात 9:15 बजे चंवरा के श्री राम रघुनाथ मंदिर से चोफूल्या होते हुए किशोरपुरा सड़क से मोरिंडा धाम पलटूदास अखाड़ा तक कलश यात्रा निकाली जाएगी।। बामलास धाम के महंत बाबा लक्ष्मण दास महाराज के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में दोपहर 2 बजे संत महात्माओं एवं हिंदू समाज के प्रमुख वक्ताओं का राष्ट्रकल्याण पर उद्बोधन होगा। समारोह में प्रतिभाओं को हिन्दू गौरव सम्मान प्रदान किया जाएगा। अखाड़े पर प्रसादी का भी आयोजन रखा गया है। सोमवार को मंदिर पर कमिटी के गजराज सिंह शेखावत, रघुवर दास जी महाराज,लाला महाराज महेश शर्मा,समाज सेवी जगदीश प्रसाद शर्मा घाटीपुरा, डॉ. सांवरमल सैनी, राधेश्याम कुमावत हनुमान गुर्जर, बाबूलाल सैनी,पंकज किशोरपुरा, शीशराम रावत सहित कई सेवा भावी लोगों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कई तैयारियों को मूर्त रूप दिया।

बाल विवाह रोकथाम : जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । 'समाज जागे, बाल विवाह त्यागे' बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जिला प्रशासन के निर्देशानुसार बाल अधिकारिता विभाग द्वारा बुधवार को डूडी पेट्रोल पंप के पास स्थित कान गणेश मंदिर में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।? बाल अधिकारिता विभाग के अधीक्षक रामनारायण बिश्नोई ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान टीम द्वारा मंदिर में आने वाले दर्शनार्थियों को बाल विवाह के दुष्प्रभाव एवं इस सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म करने का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास में भी बाधक है। मंदिर के पुजारी श्याम गहलोत व मीना ने मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को बाल विवाह रोकने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया तथा शपथ दिलवाई। कार्यक्रम में प्रवेश आचार्य, सरिता राठौड़, लक्ष्मी नारायण एवं दर्शनार्थी मौजूद रहें।कार्यक्रम के अन्त में टीम द्वारा शपथ पत्र भरवाये गये तथा आमजन के अपील की गई कि बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने में प्रशासन का सहयोग करें तथा किसी भी बाल विवाह की सूचना संबंधित विभाग या चाईल्ड हेल्पलाईन 1098 पर तुरंत दें।

पैक्स के सुदृढ़ीकरण एवं मूल्यांकन को लेकर केंद्र सरकार की व्यापक पहल

राज्यसभा में सांसद सुभाष बराला द्वारा उठाए गए प्रश्न के उत्तर में सरकार का जवाब

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । प्राथमिक कृषि सहकारी ऋण समितियों (पैक्स) के मूल्यांकन, सशक्तीकरण एवं विस्तार को लेकर भारत सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के संबंध में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने बुधवार को राज्यसभा के प्रश्नकाल के दौरान केंद्र सरकार से महत्वपूर्ण जानकारी मांगी। उन्होंने सहकारिता क्षेत्र को मजबूत बनाने की दिशा में गठित नवगठित बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि ऋण समितियों, डेयरी एवं मत्स्य पालन सहकारी समितियों की प्रगति एवं प्रभाव पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया।राज्यसभा सांसद सुभाष बराला द्वारा उठाए गए प्रश्न के उत्तर में केंद्र सरकार ने पैक्स के विस्तार, डिजिटलीकरण, समावेशी ढांचे एवं महिला सशक्तीकरण को लेकर किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी सदन को दी।

पंचायत स्तर तक सहकारी ढांचे का विस्तारः

केंद्र सरकार ने आगामी पांच वर्षों के दौरान नए बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी ऋण समितियों (पैक्स), डेयरी एवं मात्स्यिकी सहकारी समितियों की स्थापना के माध्यम से देश की सभी पंचायतों एवं गांवों को सहकारी दायरे में लाने के लक्ष्य से एक महत्वाकांक्षी योजना को स्वीकृति दी है। राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस (एनसीडी) के अनुसार, दिनांक 20 जनवरी, 2026 तक देश भर में कुल 32802 नई पैक्स, डेयरी एवं मात्स्यिकी सहकारी समितियां पंजीकृत की जा चुकी हैं, जबकि 15793 डेयरी एवं मात्स्यिकी सहकारी समितियों को सशक्त बनाया गया है। नवस्थापित बहुउद्देशीय पैक्स, डेयरी एवं मात्स्यिकी सहकारी समितियों के स्वतंत्र अथवा तृतीय पक्ष मूल्यांकन की प्रक्रिया फिलहाल विचाराधीन है।

आकांक्षी जिलों एवं अल्पसेवित क्षेत्रों पर विशेष फोकसः

केंद्र सरकार ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस के माध्यम से राज्य-वार एवं क्षेत्रीय स्तर पर विश्लेषण किया जा रहा है, जिससे आकांक्षी जिलों, पिछड़े एवं अल्पसेवित क्षेत्रों में सहकारी कवरेज की कमियों की पहचान की जा सके। देश में पंजीकृत 32802 नई पैक्स, डेयरी एवं मात्स्यिकी सहकारी समितियों का राज्य-वार विवरण तथा आकांक्षी जिलों एवं पिछड़े क्षेत्रों में इनकी स्थिति का ब्यौरा संबंधित संलग्नक में उपलब्ध कराया गया है।

पैक्स का डिजिटलीकरण एवं आधुनिकीकरणः

केंद्र सरकार द्वारा पैक्स को आधुनिक वित्तीय संस्थानों के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से बड़े स्तर पर डिजिटलीकरण किया जा रहा है। वर्तमान में स्वीकृत 79,630 पैक्स में से 61,478 पैक्स को साझा कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस), आधार समर्थित भुगतान प्रणाली (एइपीएस), यूपीआई सहित अन्य डिजिटल पहलों से जोड़ा जा चुका है। इसके साथ ही सहकारी बैंकिंग सेवाओं के आधुनिकीकरण के लिए विशेष डिजिटल प्लेटफॉर्म भी आरंभ किए गए हैं।

आदर्श उपविधियों से पारदर्शी एवं समावेशी सहकारी व्यवस्थाः

पैक्स को बहुउद्देशीय, समावेशी एवं पारदर्शी संस्थानों में रूपांतरित करने के लिए प्राथमिक कृषि क्रेडिट समितियों हेतु आदर्श उपविधियां तैयार कर सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को परिचालित की गई हैं। इन उपविधियों के माध्यम से व्यापक सदस्यता आधार सुनिश्चित किया गया है तथा सहकारी शासन में महिलाओं एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के पर्याप्त प्रतिनिधित्व का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, बहुराज्य सहकारी सोसाइटी (संशोधन) अधिनियम, 2023 के अंतर्गत बहुराज्य सहकारी समितियों के बोर्ड में महिलाओं के लिए दो सीटें एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए एक सीट आरक्षित करना अनिवार्य किया गया है।

आय वृद्धि एवं महिला सशक्तीकरण पर जोरः

आदर्श उपविधियां पैक्स को बहुउद्देशीय सेवा केंद्रों के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाती हैं, जिससे छोटे एवं सीमांत किसानों को एक ही स्थान पर किफायती ऋण, गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान, भंडारण, कस्टम हायरिंग सेंटर एवं प्राथमिक प्रसंस्करण जैसी सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप किसानों की आय में वृद्धि हो रही है। महिला स्वयं सहायता समूहों को आगे ऋण उपलब्ध कराने के लिए स्वयं शक्ति सहकार योजना तथा महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियों को प्रोत्साहित करने हेतु नंदिनी सहकार योजना के माध्यम से महिलाओं एवं स्वयं सहायता समूहों को और अधिक सशक्त किया जा रहा है।

कलशयात्रा के साथ श्री जानकी वल्लभ जी के मंदिर में चार दिवसीय धार्मिक आयोजन शुरू

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

यहां के प्रमुख धार्मिक श्रद्धा स्थल श्री जानकी वल्लभ जी के मंदिर में चार दिवसीय धार्मिक दिव्य आयोजन बुधवार को कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ।महंतश्री दिलीप दास महाराज व महंतश्री मधुसूदनाचार्य महाराज के सानिध्य में बुधवार को प्रातः श्री विजय रघुनाथ बीदावत मंदिर से कलश यात्रा शुरू हुई जो न्यामा बाजार, घंटाघर, चौपड़ बाजार होते हुए श्री जानकी वल्लभ जी के मंदिर पहुची। कलशयात्रा में भाजपा जिला मंत्री डॉ अर्चना पुरोहित, संतोष काबरा,सरिता शर्मा, शिक्षाविद रामनिवास शर्मा, भाजपा नेता एडवोकेट ललित पुरोहित, मनोज शर्मा, कांग्रेस नेता पवन बूटोलिया, विहिप नेता रतन सिंह बगड़ी, व्यवसायी संदीप बजाज, लखीप्रसाद बादूसरिया, सुरेश बीबीपुरिया, रामप्रसाद शर्मा, उमेश चोटिया, रामप्रसाद खेडवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त साथ थे। यह जानकारी देते हुए पंडित विष्णुकांत शास्त्री ने बताया कि श्री जानकी वल्लभ जी मंदिर के पीठाधीश्वर महंतश्री मधुसूदनाचार्य जी महाराज के सानिध्य में बुधवार को मध्यान्ह 12.15 बजे से मंडल पूजन, दोपहर 2.15 बजे से अग्नि मंथन (हवन प्रारंभ) शाम 5.15 बजे से जलाधिवास हुआ । जबकि 5 फरवरी को प्रातः 9.15 बजे से मण्डल पूजन, मध्यान्ह 12.15 बजे से धान्याधिवास, दोपहर 2.15 बजे से यज्ञ (हवन पूजन), शाम 4.15 बजे से पुष्पाधिवास होगा। उन्होंने बताया कि 6 फरवरी को प्रातः 9.15 बजे से मण्डल पूजन, प्रातः 11.15 बजे से धृताधिवास, दोपहर 1.15 बजे से यज्ञ (हवन पूजन) , शाम 4.15 बजे से महास्नान, शाम 6.15 बजे से शयनाधिवास , शाम 7.15 बजे से सुंदरकांड पाठ, रात्रि 9 बजे से भजनामृत वर्षा होगी जबकि 7 फरवरी को मुख्य उत्सव आयोजित होगा। इस दिन प्रातः 10.15 बजे से नगर भ्रमण, मध्यान्ह 12.15 से बजे प्राण प्रतिष्ठा , दोपहर 12.30 बजे से पूर्णाहुति महाआरती, दोपहर 1बजे से संत आर्शीवचन व दोपहर 1.15 बजे से भण्डारा महाप्रसाद आयोजित होगा।

यातायात पुलिस फतेहाबाद की सराहनीय पहल

आवारा पशुओं को पहनाए गए रिफ्लेक्टर

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए यातायात सुरक्षा की दिशा में मानवीय कदम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में यातायात पुलिस फतेहाबाद द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर एक सराहनीय और जनहितकारी पहल की गई। इस अभियान के तहत शहर व आसपास के क्षेत्रों में सड़कों पर विचरण करने वाले आवारा पशुओं को रिफ्लेक्टर पहनाए गए, ताकि रात्रि के समय वाहनों की चपेट में आने से पशुओं व वाहन चालकों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। थाना यातायात फतेहाबाद प्रभारी उपनिरीक्षक जय सिंह ने बताया कि अक्सर रात्रि के समय व कम रोशनी में सड़कों पर बैठे या चलते आवारा पशु वाहन चालकों को समय पर दिखाई नहीं देते, जिसके कारण गंभीर सड़क दुर्घटनाएं हो जाती हैं। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए यातायात पुलिस द्वारा यह विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें आवारा पशुओं के गले में रिफ्लेक्टिव बेल्ट पहनाई गईं। ये रिफ्लेक्टर रात के समय वाहनों की लाइट पड़ते ही दूर से चमकते हैं, जिससे चालक सतर्क हो जाते हैं और समय रहते वाहन की गति नियंत्रित कर सकते हैं। इस अभियान के दौरान यातायात पुलिस की टीम ने प्रमुख सड़कों, हाईवे किनारे, चौक-चौराहों तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में विशेष रूप से ध्यान दिया। साथ ही आमजन और पशुपालकों से भी अपील की गई कि वे अपने पशुओं को खुले में छोड़ने से बचें और उनकी उचित देखरेख करें। पुलिस ने वाहन चालकों को भी सावधानीपूर्वक वाहन चलाने, सीमित गति रखने और रात्रि के समय विशेष सतर्कता बरतने का संदेश दिया। यातायात पुलिस द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें आम नागरिकों की भागीदारी भी आवश्यक है। इस तरह की छोटी लेकिन प्रभावी पहल से न केवल दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि बेजुबान पशुओं की जान भी सुरक्षित रह सकेगी।

पिंकसिटी में होगा पहला 'जयपुर चाय फेस्टिवल':

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर जयपुर में पहला और अनोखा 'जयपुर चाय फेस्टिवल' होने जा रहा है। शहर के सी-स्कीम स्थित केके स्क्वायर में 'जयपुर चाय फेस्टिवल' का मीट एंड ग्रीट प्रोग्राम किया गया, जिसमें शहर के 100 से ज्यादा चाय प्रेमी और एंटरप्रेन्योर शामिल हुए। कार्यक्रम की मेजबानी शहर की जानी-मानी कुकिंग राइटर और एंटरप्रेन्योर सुषमा केके ने की। उन्होंने चाय बनाने की विभिन्न विधियों और इससे जुड़े रोचक पहलुओं की जानकारी साझा की।

चाय से जुड़े दिलचस्प किस्से किए साझा

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देश के प्रसिद्ध कुकिंग शेफ समीर गुप्ता रहे। उन्होंने चाय से जुड़े दिलचस्प किस्से साझा करते हुए बताया कि आमतौर पर चाय पीने के आयोजनों को 'हाई-टी' क्यों कहा जाता है। शेफ समीर ने बताया कि ब्रिटिश काल में क्वीन एलिजाबेथ शाम के समय अपने उच्च-स्तरीय मित्रों के साथ चाय पर मिलने जाती थीं। धीरे-धीरे उनके इस आयोजन को 'हाई-टी' कहा जाने लगा और बाद में उच्च वर्ग ने भी अपने चाय आयोजनों को इसी नाम से पहचान देना शुरू कर दिया।

श्री श्याम मानव सेवा संस्थान बुहाना में भामाशाह मास्टर होशियार सिंह का प्रेरणादायक योगदान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

श्री श्याम मानव सेवा संस्थान, बुहाना में भामाशाह मास्टर होशियार सिंह (झारोड़ा) का आगमन संस्थान परिवार के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय रहा। इस दौरान उन्होंने संस्थान के सेवा कार्यों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया तथा यहां निवासरत जरूरतमंद और असहाय व्यक्तियों से आत्मीय संवाद कर उनकी सुविधा, सुरक्षा और देखभाल व्यवस्थाओं की सराहना की। संस्थान की निःस्वार्थ सेवा भावना से प्रभावित होकर मास्टर होशियार सिंह ने श्याम भक्तों की सुविधा के लिए दो-दो 25 लीटर क्षमता के गीजर भेंट किए। उनका यह सहयोग सामाजिक सरोकार, सेवा-भाव और मानवीय संवेदना का सशक्त उदाहरण बताया गया। संस्थान परिवार की ओर से भामाशाह का आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि ऐसे सहयोग से सेवा कार्यों को नई गति और ऊर्जा मिलती है। इस अवसर पर संस्थान निदेशक संदीप कुमार, सेंटर इंचार्ज पिंकी रानी, सरोज देवी, सविता कुमारी, राजेश सिंह, दिनेश यादव सहित अजय, विक्रम और कृष्ण यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

टोहाना में बस स्टैंड के पास किराणा की दुकान पर गोलियां चला कर लूटे दो लाख रुपये : घटना को तीन लूटेरों ने दिया अंजाम

गौरव ट्रेडिंग कम्पनी के मालिक ने बताया कि वे तीनों नशे की हालत में थे तथा तीनों के हाथों में देशी कट्टे थे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

घटना की जानकारी देते हुए गौरव ट्रेडिंग कम्पनी के मालिक

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ), । टोहाना बस स्टैंड के समीप एक होटल से ल किराणा की दुकान पर शाम 7बजे के लगभग तीन लूटेरों ने उक्त दुकान के मालिक को कट्टा दिखाकर गले में पड़े लगभग 2लाख रूपये लूट लिये। घटनास्थल पर मौके पर सीआई एक स्टाफ व टोहाना के डीएसपी उम्मेद सिंह तुरंत मौके पर पहुंचे और पूरी घटना का जायजा लिया।टोहाना फायरिंग मामले में घटना की सूचना मिलते ही शहर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। आरोपियों की पहचान कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए डीएसपी टोहाना उमेद सिंह के नेतृत्व में चार विशेष टीमें गठित की गई हैं। पुलिस पूरी सतर्कता से कार्य कर रही है और आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। 'इस लूट की घटना के बाद व्यापार मंडल के प्रधान राजेंद्र ठकराल भी अपने सहयोगी साथियों के साथ मौके पर पहुंचे उन्होंने बताया की लूटरे अपने आपको बच्ची गैंग का सदस्य बताकर गये है और मौके पर दुकानदार को धमकी देकर गये है कि हम परसों फिर आएंगे। प्रधान ठकराल ने मौके पर पहुंच कर पत्रकारों को बताया कि पुलिस ने आश्वासन दिया है कि लुटेरों की पहचान कर ली गई है सभी लूटेरों को आज रात को ही पकड़ लिया जाएगा।शहर में इस घटनाक्रम के बाद व्यापारियों में भारी रोष व्याप्त है परंतु स्थानीय डीएसपी उमेद सिंह ने आश्वासन दिया कि लूटेरों को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी में आज होगा डब्ल्यूपीएल फाइनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट के फाइनल में गुरुवार को दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला पूर्व चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। इस मैच में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी। अब तक दोनो ही टीमों ने इस टूर्नामेंट में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। दिल्ली ने गुजरात जायंट्स को एलिमिनेटर मुकाबले में सात विकेट से हराकर चौथी बार फाइनल में जगह बनायी है। वहीं लीग की अंकतालिका मे शीर्ष प रहकर आरसीबी ने सीधे फाइनल में प्रवेश किया।

एलीमिनेटर मुकाबले में दिल्ली ने पहले गेंदबाजी करते हुए गुजरात जायंट्स को सात विकेट पर 168 रनों पर ही रोक दिया। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को 15.4 ओवर में ही तीन विकेट के नुकसान पर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। दिल्ली की ओर से लिजेल ली ने 24 गेंद में 43, शेफाली वर्मा ने 21 गेंद में 31, कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने 23 गेंद में 41 रन और लौरा वोल्वर्डट ने 24 गेंद में नाबाद 32 रन बनाये। वहीं जायंट्स के लिए जॉर्जिया वेयरहम ने दो विकेट लिए।

इस सत्र में आरसीबी ने दमदार खेल दिखाया है। लीग राउंड में आरसीबी ने लगातार 5 मैच जीतकर प्लेऑफ में जगह बनायी थी। सत्र सीजन के 15वें मैच में दिल्ली ने आरसीबी को 7 विकेट से हराया था। वह मुकाबला भी वडोदरा में ही खेला गया था। दोनों टीमों के बीच अभी तक 9 मुकाबले हुए हैं। इसमें दिल्ली ने 6 जीते हैं जबकि आरसीबी ने तीन मैच जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- स्मृति मंधाना (कप्तान), ग्रेस हैरिस, जॉर्जिया वोल, गौतमी नाइक, ऋचा घोष (विकेटकीपर), नादिन डी क्लर्क, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, प्रेमा रावत, सयाली सतघरे, लॉरेन बेल, प्रथ्योषा कुमार, अरुंधति रेड्डी, दयालन हेमलता, पूजा वस्त्राकर, लिन्से स्मिथ।

दिल्ली कैपिटल्स- जेमिमाह रोड्रिग्स (कप्तान),शैफाली वर्मा, लिजेल ली (विकेटकीपर), लौरा वोल्वार्ड्ट, मारिज़ैन कप्प, निकी प्रसाद, स्नेह राणा, लुसी हैमिल्टन, श्री चरणी, नंदनी शर्मा, मिन्नू मणि, तानिया भाटिया, अलाना किंग, चिनेले हेनरी, प्रगति सिंह, एडडला स्रुजाना।

एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में भारत की ईशा ने जीते दो स्वर्ण, पुरुष वर्ग में सम्राट को मिला कांस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ईशा सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप (पिस्टल/राइफल) स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीते है। ईशा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा के साथ-साथ टीम इवेंट में भी स्वर्ण पदक हासिल किया ओलंपियन ईशा ने फाइनल में शुरुआत में पीछे होने के बाद भी शानदार वापसी करते हुए 239.8 अंक हासिल कर स्वर्ण पर निशाना लगाया। उन्होंने चीनी ताइपे की चेंग येन चिंग 235.4 और यू ऐ वेन 217.7 को पीछे छोड़ा। इसी के साथ ही ईशा ने सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में दूसरा स्वर्ण जीता है। वहीं भारत की ही सुरुचि सिंह फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं। वहीं ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर सातवें स्थान पर रहीं। क्वालीफाइंग राउंड में सुरुचि ने 576 अंक, जबकि ईशा और मनु ने 575-575 अंक हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में सुरुचि 576, मनु 575 और ईशा 575 की तिकड़ी ने कुल 1726 अंक जुटाकर भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। वियतनाम और चीनी ताइपे दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।वहीं पुरुष वर्ग की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भारत के विश्व चैंपियन सम्राट राणा से फाइनल में असफल रहे और 220.3 अंक के साथ कांस्य पदक ही हासिल कर पाये। उज्बेकिस्तान के व्लादिमीर स्वेचनिकोव ने स्वर्ण पदक जीता।पुरुष टीम स्पर्धा में सम्राट राणा 581, श्रवण कुमार 578 और वरुण तोमर 573 ने कुल 1732 अंक हासिल किये।

भारत, इंग्लैंड, सहित ये चार टीमें टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में पहुंचेंगी : वॉन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से शुरु हो रहे टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार संभावित टीमों के नाम बताये हैं। वॉन के अनुसार भारत, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलियाई टीमें अंतिम चार में पहुंच सकती हैं। वॉन की इस सूची में पिछले साल की उपविजेता दक्षिा अफ्रीका का नाम नहीं है। वॉन के अनुसार इस बार दक्षिण अफ्रीकी टीम की संभावनएं काफी कम हैं।

वॉन ने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे अनुसार भारत, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल के प्रबल दावेदार हैं। इस बार टी20 विश्वकप का प्रारुप 2024 संस्करण जैसा ही रहेगा। इस टूर्नामेंट में दुनिया की शीर्ष-10 20 रैंकिंग वाली टीमों में से 9 टीमें हिस्सा लेंगी। वॉन ने लिखा, टी20 विश्व कप 2026 में मेरे अनुसार मेजबान भारत के अलावा इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। इस बार कुल 20 टीमें खिताब के लिए उतरेंगी आएंगी। शीर्ष 10 रैंक वाली टीमों में से नौ टीमें खेलेंगी। इस बार बांग्लादेश ने इन टूर्नामेंट का बहिष्कार किया है। ऐसे में उसकी जगह पर स्कॉटलैंड की टीम उतरेगी।

ग्रुप चरण में पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप होंगे। हर ग्रुप से टॉप दो टीमें सुपर 8 चरण में जाएंगी। भारत ग्रुप ए में पाकिस्तान, नीदरलैंड्स, नामीबिया और अमेरिका के साथ है। इसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को अमेरिका के खिलाफ कारेग, उसके बाद 12 फरवरी को नामीबिया और 18 फरवरी को नीदरलैंड्स से खेलेगी। वहीं पाकिस्तान की टीम 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मैच से बाहर रहेगी। ऐसे में इस मैच में भारतीय टीम को बिना खेले ही वॉकओवर की स्थिति में भारत को पूरे अंक मिलेंगे।

इंग्लैंड को ग्रुप सी में रखा गया है। इंग्लैंड की आठ फरवरी को नेपाल, 11 फरवरी को वेस्टइंडीज , 14 फरवरी को स्कॉटलैंड और 16 फरवरी को इटली से खेलना है। ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में है, जहां उसका सामना आयरलैंड से 11 फरवरी, जिम्बाब्वे से 13 फरवरी, श्रीलंका से 16 फरवरी और ओमान से 20 फरवरी को होगा। न्यूजीलैंड ग्रुप डी में है, जिसमें अफगानिस्तान, यूएई, दक्षिण अफ्रीका और कनाडा शामिल। न्यूजीलैंड टीम 8 फरवरी को अफगानिस्तान, 10 फरवरी को यूएई, 14 फरवरी को साउथ अफ्रीका और 17 फरवरी को कनाडा के विरुद्ध खेलेगी।

आईसीसी टी20आई रैंकिंग : ईशान किशन की बड़ी छलांग, टॉप-10 में ये तीन भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत का दबदबा साफ नजर आ रहा है। ताज़ा सूची में अभिषेक शर्मा नंबर-1 पर कायम हैं, जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव टॉप-10 में जगह बनाए हुए हैं और तिलक वर्मा भी बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर शीर्ष बल्लेबाजों में शामिल हैं। इसी बीच, विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार वापसी सीरीज के बाद 32 पायदान की छलांग लगाते हुए बल्लेबाजों की रैंकिंग में 32वें स्थान पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में बाएं हाथ के ईशान किशन ने महज तीन मैचों में 207 रन बनाए, जिसमें उनका पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक भी शामिल रहा। टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से ठीक पहले जारी हुई इस रैंकिंग ने किशन की मजबूत फॉर्म पर मुहर लगा दी है।

सूर्यकुमार यादव को फायदा, अभिषेक शर्मा कायम शीर्ष पर

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव भी रैंकिंग में आगे बढ़ते हुए पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़कर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, युवा ओपनर अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर अपना दबदबा बनाए हुए हैं।

साइम अयूब बने नंबर-1 टी20ढ्ढ ऑलराउंडर

पाकिस्तान के ओपनर साइम अयूब ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर टी20ढ्ढ ऑलराउंडर्स रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। पाकिस्तान ने यह सीरीज 3-0 से जीती थी, जिसमें 23 वर्षीय अयूब ने 119 रन बनाने के साथ तीन विकेट भी झटके। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा को शीर्ष स्थान से हटाया।

पाकिस्तानी गेंदबाजों को भी फायदा

पाकिस्तान के मुख्य स्पिनर अब्रार अहमद ने भी बड़ी छलांग लगाते हुए गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल किया। वह शीर्ष पर काबिज वरुण चक्रवर्ती से अब सिर्फ 28 अंक पीछे हैं। ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज, जिन्होंने सीरीज में पांच विकेट लिए थे, गेंदबाजों की सूची में आठ स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए।

अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग में बदलाव

इंग्लैंड के लेग-स्पिनर आदिल राशिद दो पायदान चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर आठ स्थान की छलांग के साथ संयुक्त 23वें स्थान पर हैं। बल्लेबाजों की टॉप-10 सूची में भी बदलाव देखने को मिला–इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो बटलर तीसरे स्थान पर पहुंचे, श्रीलंका के पथुम निसांका पांचवें और न्यूजीलैंड के टिम सिफर्ट नौवें स्थान पर पहुंच गए।

दक्षिण अफ्रीका के ओपनर रयान रिकेल्टन ने 42 स्थान की छलांग लगाकर 40वां स्थान हासिल किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन 16 पायदान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गए। शानदार शतक जड़ने वाले क्विंटन डी कॉक को भी फायदा मिला और वह 15 स्थान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर पहुंच गए।

बार्सिलोना ने अल्बासेटे को 2-1 से हराकर कोपा सेमीफाइनल में

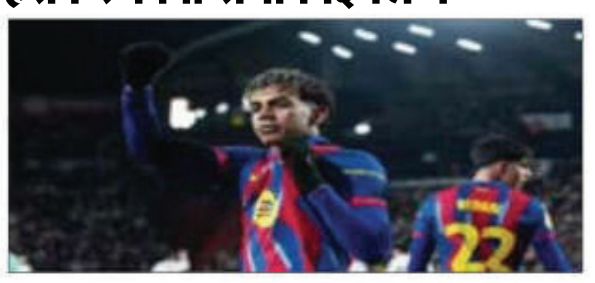

मैड्रिड। लामिन यामल और रोनाल्ड अरौजो ने प्रत्येक हाफ में एक-एक गोल किया, जिससे बार्सिलोना ने मंगलवार को दूसरी श्रेणी की टीम अल्बासेटे को 2-1 से हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अल्बासेटे ने राउंड ऑफ 16 में रियाल मैड्रिड को हराकर सबको चौंका दिया था। बार्सिलोना के सामने भी उसने अच्छी चुनौती पेश की। बार्सिलोना की सभी टूर्नामेंटों में खेले गए पिछले 17 मैचों में यह 16वीं जीत है। वह लगातार चौथी बार कोपा सेमीफाइनल में पहुंचा है। उसने पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड को हराकर खिताब जीता था। बार्सिलोना स्पेनिश लीग में शीर्ष पर है और रियाल मैड्रिड से एक अंक आगे है। कोपा का सेमीफाइनल दो चरणों में खेला जाएगा। फाइनल अप्रैल में सेविला में होगा।

टी20 विश्वकप में अश्विन का रिकार्ड तोड़ सकते हैं बुमराह और अर्शदीप

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम ने पिछले कुछ समय में जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है। उसको देखते हुए टीम को इस बार टूर्नामेंट में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह पर भी इस टूर्नामेंट में सबकी नजरें रहेंगी। ये दोनो ही इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने के नये रिकार्ड बना सकते हैं। बूमराह और अर्शदीप का प्रदर्शन पहले भी अच्छा रहा है और इस बार भी ये दोनो नये रिकार्ड बना सकते हैं। इन दोनों के पास इस बार दिग्गज स्पिनर आर अश्विन के सबसे अधिक 32 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का अवसर है।

जसप्रीत बुमराह- बुमराह ने अब तक 5 टी 20 विश्व कप खेले हैं और वह टी20 इतिहास में भारत के तीसरे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ हैं। बुमराह ने 2016 से 2024 तक टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 18 मैचों में 5.44 की शानदार इकॉनमी से 26 विकेट लिए हैं।

अर्शदीप सिंह- अर्शदीप ने अब तक टी20 विश्वकप के दो संस्करणों में 27 विकेट लिए हैं। अर्शदीप सबसे अधिक विकेट लेने वालों की सूची में कुल मिलाकर 22वें स्थान पर हैं, जहां उनके साथ न्यूज़ीलैंड के ईश सोढ़ी और वेस्टइंडीज़ के ड्वेन ब्रावो भी शामिल हैं। हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था।

आर अश्विन- पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय और स्पिन गेंदबाज़ी के दिग्गज रविचंद्रन अश्विन के नाम आईसीसी टीम विश्वकप इतिहास में सबसे ज़्यादा विकेट लेने भारतीय गेंदबाज हैं। साल 2012 से 2022 तक टूर्नामेंट खेलने वाले अश्विन ने 24 मैचों में 6.49 की इकॉनमी से 32 विकेट लिए हैं। ओवरऑल रैंकिंग में वह मिचेल स्टार्क के साथ संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर हैं।

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में भी श्रीलंका को हराकर 3-0 से सीरीज जीती

कोलंबे (एजेंसी)। इंग्लैंड ने यहां तीसरे टी20 क्रिकेट मैच में भी मेजबान श्रीलंकाई टीम को करीबी मुकाबले में 12 रनों से हराकर 3-0 से सीरीज जीत ली है। पहले दोनों मुकाबले भी श्रीलंकाई टीम हारी थी। टी20 विश्वकप के ठीक पहले मिली इस करारी हार से श्रीलंकाई टीम को करारा झटका लगा है। इससे उसकी विश्वकप के लिए तैयारियों पर भी सवाल उठ रहे हैं। तीसरे टी20 में सैम करन की करन के 48 गेंदों में 58 रनों की सहायता से इंग्लैंड की टीम ने 128 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का सामना करते हुए श्रीलंकाई टीम 19.3 ओवर में 116 रनों पर ही आउट हो गयी और इस प्रकार 12 रनों से मैच हार गयी। इस मैच में इंग्लैंड की टीम के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया पर टीम के बल्लेबाज असफल रहे। पूरी टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 28 रन ही बना पायी।

सैम करन के 58 रनों की पारी के अलावा कई अन्य बल्लेबाज टिक नहीं पाया। इंग्लैंड की ओर से केवल 3 बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। सैम करन के अलावा जोस बटलर ने 25 और लियाम डॉसन ने 14 रन बनाए। इसके बाद 129 रनों के छोटे से लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई बल्लेबाजी भी ढेर हो गयी। उसके पांच बल्लेबाजों ने दो अंकों को पार किया पर कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल पाया। , कुसल मेंडिस ने 26 रन , पथुम निसंका ने 23 जबकि जनित लियानगे ने 17 रन बनाये, कमिंदु मेंडिस ने 14 जबकि पवन रथनायके ने 13 रन बनाये। दूसरी ओर इंग्लैंड की ओर से जैकब बेथेल ने 4 जबकि विल जैक्स ने 3 विकेट लिए।

भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल में जीत से शुरुआत की

लानुसिया (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 मुक्केबाजी टूर्नामेंट में शानदार जीत के साथ शुरुआत की है। इस टूर्नामेंट में 21 देशों के 214 मुक्केबाज उतरे हैं। इसमें भारतीय मुक्केबाजों ने अपने शुरुआती मुकाबले जीत लिये हैं। भारत के हितेश गुलिया ने पुरुषों के एलीट 70 किग्रा वर्ग में अपने जबरदस्त प्रहारों से नीदरलैंड के फिन बोस को 5-0 से हराया। वहीं महिलाओं के एलीट 54 किग्रा वर्ग में प्रीति ने कजाकिस्तान की अलियास्कर सिम्बैट के खिलाफ 5-0 से आसान जीत दर्ज की। इस टूर्नामेंट में प्रीति के अलावा भारत ही प्राची ने 57 किग्रा और प्रिया ने 60 किग्रा भार वर्ग में स्पेन की वनेसा मोरेल रामिरेज़ और कनाडा की एलेशिया मानसुएटो को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। भारत की की काजल ने 65 किग्रा भार वर्ग में कजाकिस्तान की असीम तनातार को 4-1 से हराया। वहीं पुरुष वर्ग में हितेश के अलावा सचिन ने 60 किग्रा भार वर्ग में मेजबान स्पेन के ब्रैंडन एलेजांद्रो को 5-0 से हराया जबकि जबकि मोहम्मद हुसामुद्दीन ने 60 किग्रा वर्ग में डेनमार्क के मटियास मेहमत बुयुक्देमिर को 4-1 से पराजित किया। अभिनाश जमवाल 65 किग्रा भार वर्ग में डेनमार्क के क़ालिद उस्मान को एकतरफ मुकाबले में 5-0 से हराने में सफल रहे। इसके अलावपा दीपक, आकाश और अंकुश भी जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गये है। दीपक ने 70 किग्रा भार वर्ग में बेल्जियम के हॉर्नेल आयतेवी को 4-1 से हराया। वहीं आकाश ने 75 किग्रा और अंकुश ने 80 किग्रा भाग वर्ग में भी 4-1 के अंतर से जीत हासिल कर अगले दौर में जगह बनाई।

पूर्व पाक कप्तान राशिद लतीफ को अब भी भारत-पाक मैच होने की उम्मीद

लाहौर । पाकिस्तान ने जबसे टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने की बात कही है। जिसके बाद से ही इस मामले को लेकर क्रिकेट जगत में घमासान मचा है। ये अटकलें लगायी जा रही हैं कि इस मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) किस प्रकार के कदम उठाता है। वहीं इस सब के बीच ही पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने दावा किया है कि उन्हें अब भी कोलंबो में भारत पाकिस्तान मैच के होने की उम्मीदें हैं। लतीफ ने कहा, मेरा मानना है कि यह फैसला सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है। इसका असर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईसीसी के काम करने के तरीके पर भी पड़ेगा। यह कोई रूटीन फैसला नहीं है। इसमें बातचीत के बाद बदलाव हो सकते हैं। एक फैसले में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का माहौल बदलने की क्षमताएं हैं। भारत-पाकिस्तान मुकाबला किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट का सबसे रोमांचक मैच माना जाता है, जिसे देखने वालों की संख्या अन्य मैचों से कहीं अधिक होती है। विश्व स्तर पर सबसे अधिक प्रायोजकों की रुचि और प्रसारण राजस्व भी इसी मैच से आता है। लतीफ का मानना है कि अभी जो भी कहा जा रहा है वह अलग बात है पर 15 फरवरी को दोनो के बीच मैच होने की संभावनाएं बनी हुई हैं। साथ ही कहा कि क्रिकेट से कारोबार भी जुड़ा है। इसके फैसले राजनीतिक स्तर पर लिए जाते हैं जिनका पालन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीस) करती है।

मौजूदा भारतीय टीम टी-20 में दुनिया की सबसे खतरनाक टीम: धोनी

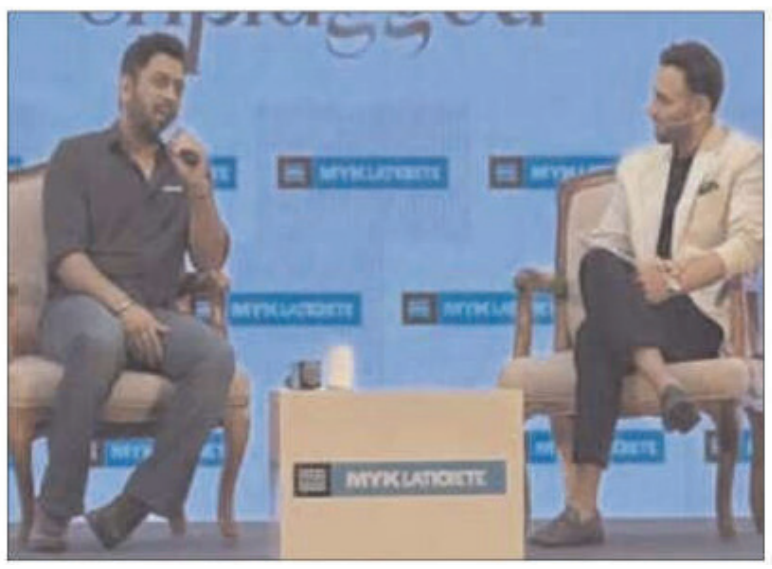

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम की संभावनाओं पर भरोसा जताया है। विश्व कप विजेता कप्तान का मानना है कि टीम इंडिया के पास अनुभव, कौशल और संतुलन का सही मिश्रण है।

धोनी ने इस बात पर जोर दिया कि टीम की ताकत इस बात पर निर्भर करती है कि खिलाड़ी दबाव वाली स्थितियों को कितनी अच्छी तरह से संभालते हैं और उनका रोल कितने अच्छे से तय है। खिलाड़ी हमेशा मैच के लिए तैयार रहते हैं, चाहे वह बैटिंग हो या बॉलिंग, जिससे भारत को अपने प्रतिद्वंद्वियों पर एक महत्वपूर्ण बढ़त मिलती है।

धोनी ने कहा, 'यह सबसे खतरनाक टीमों में से एक है। आप जानते हैं, उन्होंने (भारतीय खिलाड़ी) पहले ही बैटिंग या बॉलिंग शुरू कर दी होगी, लेकिन एक अच्छी टीम में क्या चाहिए? सब कुछ है। उनके पास अनुभव है। खासकर जब इस फॉर्मेट की बात आती है, तो अनुभव बहुत ज्यादा है। उन्होंने दबाव में खेला है। जो भी खिलाड़ी टीम में जो भी भूमिका निभा रहे हैं, वे काफी समय से उस स्थिति में रहे हैं।'

हालांकि धोनी आशावादी नजर आ रहे हैं, लेकिन उनका मानना है कि ओस व्हाइट-बॉल क्रिकेट में सबसे सावधानी से बनाई गई योजनाओं को भी खराब कर सकती है। माही के मुताबिक, ओस परिस्थितियों को काफी प्रभावित कर सकती है। टॉस के फैसलों को महत्वपूर्ण बना सकती है, जिससे मैचों में संभावित रूप से अनुचित फायदे हो सकते हैं।

धोनी ने कहा, 'मुझे किस बात की चिंता है? मुझे ओस से नफरत है। ओस बहुत सी चीजें बदल देती है। इसलिए, जब मैं खेलता था, तो एक चीज जो मुझे सच में डराती थी, वह थी ओस। अगर हम कुछ बेहतरीन टीमों के साथ 10 मैच खेलते हैं, तो हम ज्यादातर बार विजेता बनकर उभरेंगे। अगर स्थितियां न्यूट्रल रहती हैं।'

चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान ने यह भी बताया कि टी20 क्रिकेट अप्रत्याशित होता है, जहां एक खराब खेल या विपक्षी टीम का शानदार प्रदर्शन परिणाम को पूरी तरह से बदल सकता है।

पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, 'समस्या तब होती है जब आपके कुछ खिलाड़ी अच्छा नहीं खेलते और विपक्षी टीम का कोई खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन करता है। टी20 ग्रुप में ऐसा हो सकता है। तो, यही वह समय है। चाहे यह लीग स्टेज में हो, चाहे यह नॉकआउट स्टेज में हो, यहीं पर दुआओं की जरूरत होती है। आप जानते हैं, किसी को चोट नहीं लगनी चाहिए। जो भी भूमिकाएं दी गई हैं, लोगों को टीम के लिए अपनी भूमिकाएं निभानी चाहिए।'

शनाका की कप्तानी में टी20 विश्वकप में उतरेगी श्रीलंकाई टीम, मेंडिस की वापसी

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने सात फारवरी से शुरु हो रहे टीम 20 विश्वकप 2026 के लिए दासुन शनाका की कप्तानी में अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में कामिंदु मेंडिस की भी वापसी हुइ है। मेंडिस ने नवंबर 2025 के बाद से ही नहीं खेला है। अब तक खेले गए 35 टी20 मैचों में कामिंदु मेंडिस ने 3 अर्धशतक के साथ ही 540 रन बनाए हैं। चयनकर्ताओं ने पिछले अच्छे प्रदर्शन के आधार पर उन्हें अवसर दिया है। वहीं धनंजय डी सिल्वा को टीम से बाहर कर दिया गया है। वहीं चयनकर्ताओं ने अनुभवी ऑलराउंडर धनंजय डी सिल्वा को टीम में शामिल नहीं किया है। सिल्वा का प्रदर्शन इस साल की शुरुआत से ही अच्छा नहीं रहा है। वह तीन पारियों में केवल 43 रन बना पाए और गेंदबाजी में भी केवल एक ही विकेट ले पाये थे। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में प्रभावित न कर पाने से चयनकर्ताओं ने उन्हें 15 सदस्यीय स्क्वॉड से बाहर रखा है। वहीं शनाकाको को अनुभवी होने के कारण कप्तानी दी गई है। टी20 फॉर्मेट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 123 टी20 मैचों में 1743 रनों के अलावा 43 विकेट भी लिए हैं। ईशान मलिंगा को भी टीम में शामिल किया है हालांकि उनके खेलने का फैसला फिट होने पर लिया जाएगा। उनकी फिटनेस को लेकर सवाल बने हुए हैं। इस तेज गेंदबाज को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की अ20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में कंधे में चोट लगी थी। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। टीम की बल्लेबाजी पाथुम निसांका, कुसल मेंडिस, चरिथ असलंका और कुसल परेरा पर निर्भर करेगी। इसके अलावा युवा खिलाड़ी पवन रत्नायके को भी टीम में जगह मिली है, जिन्होंने हाल के समय में टी20 में अच्छा प्रदर्शन किया है।

ओ रोमियो के लिए एविनाश तिवारी ने सीखे फ्लेमेंको मूव्स

लैला मजनू की दर्दभरी शिद्दत हो, मडगांव एक्सप्रेस की कॉमिक टाइमिंग, खाकी- द बिहार चैप्टर की सख्ती या द मेहता बॉयज़ का ड्रामा ङ्क एविनाश तिवारी ने अपने काम से हर बार ये साबित किया है कि वो इमोशन्स और रेंज के खिलाड़ी हैं. उनकी परफॉर्मेंस हमेशा गहराई और असर के लिए सराही गई है. लेकिन इस बार जो सामने आया, वो थोड़ा हटकर है। विशाल भारद्वाज की आने वाली फिल्म ओ रोमियो की तैयारी में एविनाश ने फ्लेमेंको डांस को भी अपना हथियार बनाया। हाल ही में एविनाश ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो फ्लेमेंको डांस करते नज़र आ रहे हैं. इसी आर्ट फॉर्म के ज़रिए उन्होंने अपने किरदार जलाल को गढ़ा है, जो फिल्म में एक माटाडोर और एंटैगनिस्ट है। जलाल की खतरनाक मौजूदगी सिर्फ हिंसा से नहीं, बल्कि कंट्रोल और ठहराव से आती है। वीडियो में एविनाश की सीधी खड़ी देह, तेज़ फुटवर्क और भीतर दबा तनाव साफ महसूस होता है। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, स्पेन जाने से पहले। भाषा सीखने से पहले। शरीर पहले ही सब जानता था। ओ रोमियो की तैयारी की एक झलक। फिल्म में फ्लेमेंको का हिस्सा भले ही छोटा हो, लेकिन उसकी तैयारी बिल्कुल भी छोटी नहीं थी। एक अहम सीन के लिए एविनाश ने स्क्रीन पर फ्लेमेंको किया, हालांकि वो सीन फिल्म में रहेगा या नहीं, ये अभी देखना बाकी है। इस ट्रेनिंग का मकसद था माटाडोर की बॉडी लैंग्वेज को समझना ङ्क जलाल कैसे ज़मीन पर टिककर खड़ा होता है। कैसे सोच-समझकर आगे बढ़ता है और कैसे ख़ामोशी में भी खतरा बनाए रखता है। इतना तो साफ है कि डांस-ड्रिवन फिल्मों में भी एविनाश की ज़बरदस्त संभावना है, जो उनकी वर्सेटिलिटी की एक और झलक देती है। ओ रोमियो में अपने इस फियरस और ट्रांसफॉर्मेटिव रोल को लेकर पहले से ही चर्चा में बने एविनाश के पास आगे इम्तियाज़ अली की ओ साथी रे और प्रशांत झा की गिन्नी वेड्स सनी 2 भी हैं। ये सब मिलकर उन्हें उनकी पीढ़ी के सबसे भरोसेमंद और एक्साइटिंग एक्टर्स में और मज़बूती से खड़ा करता है।

साउथ ने मुझे जिस तरह का प्यार दिया उसके लिए मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं

अभिनेत्री श्रिया सरन अपकमिंग फिल्म दृश्यम 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। उत्तराखंड में जन्मी और हिंदी बोलने वाले परिवार में पली-बढ़ी अभिनेत्री ने साउथ इंडियन सिनेमा में काम किया। उन्होंने साउथ की फिल्मों में तब काम किया जब उन्हें तमिल और तेलुगु बोलना नहीं आता था। 25 साल के अपने करियर में श्रिया ने हिंदी सिनेमा में भी काम किया है। श्रेया ने साउथ इंडियन एक्ट्रेस कहे जाने पर अपनी बात रखी है।

श्रिया सरन ने अपनी जिंदगी में हुए कई बदलावों को लेकर कहा मेरा जन्म हरिद्वार में हुआ था। मैं अपनी जिंदगी के 17 साल वहीं रही। फिर मैं दिल्ली आ गई, ताकि कथक सीख सकूं। फिर मैंने 17 साल की उम्र में एक्टिंग शुरू की। यह मेरे परिवार के लिए एक बहुत बड़ा कदम था। मेरे पापा इंजीनियर हैं, मां अध्यापक हैं।

साउथ में सीखी ये चीजें

श्रिया सरन का मानना है कि शुरुआती वर्षों ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया। उन्होंने कहा क्योंकि मैं दिल्ली में एक छोटे शहर की लड़की थी, साउथ में जाना और काम करना मेरे लिए हैरान करने वाला था। वहां से जब मैं सेट पर गई, नई भाषाएं सीखी, यह सब, मुझे लगता है कि इसने मुझे जिंदगी के लिए सच में तैयार किया। साउथ ने मुझे जिस तरह का प्यार दिया है, उससे मैं सच में खुद को खुशनसीब मानती हूं। मेरा दिल साउथ इंडियन है।

आप जो मानते हैं आप वही हैं

साउथ इंडियन कहे जाने पर अभिनेत्री ने कहा मैंने जो चीजें सीखीं, उनमें से एक यह है कि आप वही हैं जो आप खुद को मानते हैं। अगर आप बढ़ते रहते हैं और सीखते रहते हैं और जिंदगी को आपको चीजें सिखाने देते हैं, तो आप उसे बेहतर तरीके से जीना शुरू कर देते हैं।

श्रिया सरन का वर्कफंट

आपको बता दें कि श्रिया सरन ने 2001 में तेलुगु फिल्म इष्टम से डेब्यू किया। वह छत्रपति, शिवाजी, पोक्किरी राजा और मनम जैसी कई तमिल और तेलुगु फिल्मों में नजर आईं। इसके साथ ही, उन्होंने हिंदी सिनेमा में भी अपनी लगातार मौजूदगी बनाए रखी है, खासकर दृश्यम फ्रेंचाइजी में। श्रिया सरन 23 जनवरी 2026 को रिलीज हुई सीरीज स्पेस जेन- चंद्रयान में नजर आ रही हैं। वह इस साल के आखिर में दृश्यम 3 में बड़े पर्दे पर भी वापसी करेंगी।

हाई-ऑक्टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में बॉक्सर के रूप में नजर आने वाले हैं पुलकित

पुलकित सम्राट अपने करियर के एक अहम मोड़ पर खड़े हैं। फिलहाल वे अपनी पहली ओटीटी सीरीज़ ग्लोरी के साथ डिजिटल स्पेस में दमदार एंट्री करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिलहाल हाई-ऑक्टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में पुलकित एक बिल्कुल नए अवतार यानी एक बॉक्सर के रूप में नजर आनेवाले हैं। हालांकि पुलकित के लिए यह किरदार उनके किसी सपने के सच होने जैसा है। गौरतलब है कि ग्लोरी, एक पेशेवर बॉक्सिंग के साथ प्रतिस्पर्धी दुनिया में सेट एक मशहूर कोच और उसके दो अलग हुए बेटों की कहानी है, जिनके ओलंपिक सपने आपसी टकराव, अधूरे जज़्बात, प्रतिद्वंद्विता और बदले की भावना से टकराते हैं। इस भावनात्मक और रोमांचक कहानी के केंद्र में पुलकित का किरदार है, जो न सिर्फ शारीरिक ताकत बल्कि गहरी भावनात्मक सच्चाई की भी मांग करता है। अपने अनुभव को साझा करते हुए पुलकित मानते हैं कि यह सफर आसान नहीं था। वह कहते हैं, यह प्रक्रिया बेहद इंटेंस रही है, लेकिन उतनी ही एडिक्टिव भी। बता दें कि पुलकित को इस किरदार की तैयारी के लिए कड़ी फिज़िकल ट्रेनिंग से गुजरना पड़ा, साथ ही भावनात्मक स्तर पर भी खुद को पूरी तरह झोंकना पड़ा। एक बॉक्सर की भूमिका निभाना उनके लिए कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलकर खुद को नए सिरे से खोजने जैसा है।

पुलकित यह भी कहते हैं, अगर अभिनेता सेफ खेलते रहें, तो उनकी ग्रोथ रुक जाती है और सब कुछ फॉर्मूला बन जाता है। अब हम इसके लिए तो अभिनेता नहीं बने है न। उनके अनुसार, खुद को चुनौती देना न सिर्फ कलाकार के विकास के लिए ज़रूरी है, बल्कि दर्शकों को कुछ नया देने के लिए भी ज़रूरी है। बीते सालों में पुलकित सम्राट ने अपनी फिल्मोग्राफी में विविधता और प्रयोग के जरिए एक अलग पहचान बनाई है,फिर चाहे वह हल्की-फुल्की एंटरटेनर फिल्में हों, गंभीर हों या परफॉर्मेंस-ड्रिवन रोल्स हों। रही बात ग्लोरी की तो इस फिल्म का किरदार उनके करियर में एक मजबूत परत जोड़ता है। यह एक ऐसा किरदार है, जो अनुशासन, संवेदनशीलता और सच्ची भावनात्मक ईमानदारी की मांग करता है। फिलहाल ग्लोरी के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रख रहे पुलकित एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं, जो जोखिम उठाने के साथ-साथ खुद को नए रूप में गढ़ने और रचनात्मक महत्वाकांक्षा से भरा है। हालांकि ग्लोरी में बॉक्सर के रूप में वह न सिर्फ अपने एक लंबे समय से चले आ रहे सपने को पूरा कर रहे हैं, बल्कि एक ऐसे अभिनेता के रूप में अपनी पहचान और मजबूत कर रहे हैं, जो हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को लगातार विकसित करता जा रहा है।

कोहरा 2 से मोना सिंह ने लिया जिंदगी का सबक

अभिनय की दुनिया में किसी किरदार को जीते-जीते कलाकार कई बार खुद को भी नए सिरे से समझने लगते हैं। अभिनेत्री मोना सिंह के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। वेब सीरीज कोहरा के दूसरे सीजन पर काम करते हुए मोना ने जिंदगी से जुड़ी कई अहम सीख हासिल की। इसे लेकर उन्होंने खुलकर बात की। मोना सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, कोहरा का दूसरा सीजन मेरे लिए सिर्फ एक नई भूमिका नहीं थी, बल्कि यह मेरे निजी जीवन से भी गहराई से जुड़ गया। इस कहानी ने मुझे यह समझने में मदद की कि इंसान कितना संवेदनशील होता है और कैसे हर कोई अपनी-अपनी लड़ाई चुपचाप लड़ रहा होता है। इस सीरीज पर काम करते हुए मुझे यह एहसास हुआ कि हर चीज पर नियंत्रण रखना न तो संभव है और न ही जरूरी। मोना ने कहा, इस सीरीज से मुझे सबसे बड़ा सबक यह मिला कि जिंदगी में कई बार चीजों को छोड़ देना ही सही रास्ता होता है। जिन बातों, हालातों या भावनाओं का अब कोई मतलब नहीं रह जाता, उन्हें पकड़े रहना खुद को दुख देने जैसा है। हालात जैसे भी हों, उन्हें स्वीकार करना और आगे बढ़ जाना ही मानसिक शांति की कुंजी है। यही सीख मेरे लिए इस सीरीज की सबसे बड़ी देन बन गई।

कोहरा 2 में मोना सिंह की एंट्री कहानी को एक नया मोड़ देती है। इस बार दर्शकों को एक और गहरी, अंधेरी और रहस्यमयी कहानी देखने को मिलेगी। मोना के साथ इस सीजन में बरुन सोबती और रणविजय सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कोहरा 2 की कहानी इस बार जगराना से आगे बढ़ते हुए दलेरपुरा पहुंचती है, जहां माहौल पहले से ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी है। एएसआई अमरपाल गरूंडी का तबादला दलेरपुरा पुलिस स्टेशन में हो जाता है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है। इस सीजन का सबसे बड़ा आकर्षण मोना सिंह हैं, जो गरूंडी की नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर की भूमिका निभा रही हैं। दोनों का काम करने का तरीका अलग है, सोच अलग है, लेकिन लक्ष्य एक ही है सच तक पहुंचना। जैसे-जैसे वे एक हत्या के मामले की परतें खोलते हैं, वैसे-वैसे उनके अपने अतीत से जुड़े कई दबे हुए राज भी सामने आने लगते हैं। पंजाब की पृष्ठभूमि में बुनी गई यह कहानी धीमी रफ्तार में आगे बढ़ती है, लेकिन हर मोड़ पर असर छोड़ती है।

प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के बाद क्या करने वाले हैं अरिजीत सिंह? अनुराग बसु ने दी बड़ी हिंट

मौजूदा वक्त के सबसे पसंदीदा और सुपरहिट सिंगर अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के अपने फैसले से हर किसी को हैरान कर दिया है। इस घोषणा के बाद से अरिजीत सिंह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने हुए हैं। कई प्रशंसक इसके पीछे का कारण जानने के लिए उत्सुक हैं। हालांकि, अरिजीत संगीत बनाना जारी रखेंगे। लेकिन अरिजीत सिंह आगे क्या करेंगे, इसको लेकर अब निर्देशक अनुराग बसु ने एक बड़ी हिंट दी है। अनुराग की कई फिल्मों में अरिजीत ने गाने गाए हैं। जानिए अनुराग बसु ने अरिजीत सिंह के फ्यूचर प्लान को लेकर क्या कुछ बताया?

अरिजीत के फैसले का अनुराग को था पहले से ही अंदाजा

अनुराग बसु और अरिजीत सिंह के बीच गहरी दोस्ती है। ऐसे में जब अनुराग बसु से अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के फैसले के बारे में पूछा गया तो निर्देशक ने कोई हैरानी नहीं जताई। बल्कि उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से ही इसका अंदाजा था। बीबीसी हिंदी से बातचीत में अनुराग बसु ने कहा कि अरिजीत सिंह के फैसले से दुनिया सदमे में थी, लेकिन मुझे जरा भी हैरानी या झटका नहीं लगा। मैं अरिजीत को लंबे समय से जानता हूं और मुझे लगता है कि वह बेहद प्रतिभाशाली हैं और सिंगिंग के अलावा भी बहुत कुछ करना चाहते हैं।

फिल्म मेकिंग की अरिजीत को है काफी जानकारी

अनुराग बसु ने आगे बताया कि उन्हें अरिजीत सिंह के फिल्म निर्माण के प्रति जुनून के बारे में पता था। निर्देशक ने कहा कि उन्होंने मुझसे 'बर्फी' में मेरा असिस्टेंट बनने के लिए कहा था। उन्हें फिल्म मेकिंग की काफी गहरी जानकारी है। इसके अलावा अरिजीत बच्चों के लिए एक स्कूल खोलना और उनके साथ समय बिताना भी पसंद करते हैं। उनकी कई योजनाएं हैं।

अरिजीत ने शुरू कर दी पहली फिल्म की शूटिंग

इसके अलावा एक सूत्र ने उसी पोर्टल को बताया कि अरिजीत ने अपनी पहली हिंदी फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। यह एक जंगल एडवेंचर फिल्म होगी, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका में हैं। शूटिंग फिलहाल शांति निकेतन में चल रही है। फिल्म की स्क्रिप्ट अरिजीत और उनकी पत्नी कोयल सिंह ने लिखी है।

सोशल मीडिया पोस्ट में दी प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने की जानकारी

अरिजीत सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए ये घोषणा की कि वो अब प्लेबैक सिंगिंग को अलविदा कह रहे हैं। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वो संगीत बनाना जारी रखेंगे, सिर्फ प्लेबैक सिंगर के रूप में अब कोई काम नहीं करेंगे। अरिजीत ने हिंदी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, पंजाबी और अन्य भाषाओं में कई गाने गाए हैं। उन्हें बेस्ट प्लेबैक सिंगर के लिए (पुरुष) के लिए 8 फिल्मफेयर पुरस्कार मिल चुके हैं। अब प्रशंसक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि गायक आगे क्या करने वाले हैं।

म्यांमार में 5.9 तीव्रता का जोरदार भूकंप, कोलकाता और बांग्लादेश तक महसूस किए गए झटके

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार की रात को म्यांमार में आए 5.9 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने पड़ोसी देशों समेत व्यापक क्षेत्र में दहशत पैदा कर दी। इस भूकंप के तेज झटके भारत के पश्चिम बंगाल और पड़ोसी देश बांग्लादेश के कई हिस्सों में महसूस किए गए। यूरोपीय-मेडिटेरेनियन सिस्मोलॉजिकल सेंटर के आंकड़ों के अनुसार, भूकंप का केंद्र म्यांमार के अक्स्याब (सिटवे) शहर से लगभग 70 मील पूर्व में स्थित था। हालांकि यह भूकंप जमीन की गहराई में आया था, लेकिन इसकी तीव्रता इतनी अधिक थी कि सतह पर जोरदार कंपन महसूस किया गया। भारत में विशेष रूप से कोलकाता, हावड़ा और उत्तर 24 परगना जैसे इलाकों में इमारतों के हिलने से लोग घबराकर अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। कुछ ऐसी ही स्थिति बांग्लादेश की राजधानी ढाका में भी देखी गई, जहां लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए। राहत की बात यह है कि अभी तक म्यांमार, भारत या बांग्लादेश के किसी भी हिस्से से जान-माल के बड़े नुकसान की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर रख रही हैं। विशेषज्ञों के लिए चिंता का विषय यह है कि पिछले 71 घंटों के भीतर म्यांमार में यह तीसरा भूकंपीय झटका है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह क्षेत्र इंडो-ऑस्ट्रेलियन और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन पर स्थित होने के कारण भूकंप के प्रति बेहद संवेदनशील है। प्लेटों के बीच होने वाली इस हलचल के कारण ही क्षेत्र में लगातार भूकंपीय गतिविधियां दर्ज की जा रही हैं, जिसने भू-वैज्ञानिकों को सतर्क कर दिया है।

घने कोहरे की चादर में लिपटा शहर, ताजमहल ओझल ; गिरते तापमान से बढ़ी ठिठुरन

लखनऊ (एजेंसी)। आगरा में फरवरी का मौसम जनवरी जैसा दिखा रहा है। बुधवार की सुबह शहर घने कोहरे की चपेट में रहा, इससे ताजमहल पूरी तरह कोहरे में छिप गया। दृश्यता बेहद कम होने के कारण सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम-सी गई और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। कोहरे के साथ हल्की फुहार ने ठंड का अहसास और बढ़ा दिया। सुबह करीब नौ बजे तक घना कोहरा छाया रहा। इसके पहले मंगलवार को भी हालात कुछ इसतरह के ही रहे। सुबह देर तक कोहरा छाया रहा और उसके बाद बादल मंडराते रहे। दिन में कुछ समय के लिए धूप जरूर निकली, लेकिन ठंडी हवाओं के चलते उसका असर बेअसर साबित हुआ। गलन अधिक होने से लोग दिनभर ठिठुरते नजर आए। मौसम विज्ञान विभाग ने पहले ही सुबह कोहरा या धुंध बने रहने की संभावना जाहिर की थी। मंगलवार को दोपहर बाद कुछ समय के लिए धूप निकली, लेकिन लगातार चल रही ठंडी हवाओं के कारण राहत नहीं मिली। तापमान की बात करें तो अधिकतम तापमान 17.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानी मो. दानिश के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव धीरे-धीरे कम होगा, जिससे आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहने और तापमान में बदलाव की संभावना है।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर गैस टैंकर पलटा, यातायात 12 घंटे से बाधित रहा

पुणे (एजेंसी)। आदोशी टनल के पास मंगलवार देर शाम मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक प्रोपलीन गैस से भरा टैंकर पलट गया। टैंकर मोड़ पर नियंत्रण खो बैठा और पलटने के कारण गैस लीक होने लगी। प्रोपलीन गैस अत्यधिक ज्वलनशील होने के कारण इलाके में गंभीर खतरे की स्थिति पैदा हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही पुणे से मुंबई जाने वाली लेन को बंद कर दिया गया। एनडीआरएफ, फायर सर्विस, आईआरबी पुलिस और केमिकल विशेषज्ञ तुरंत मौके पर पहुंचे। राहत टीमें गैस लीक को रोकने और टैंकर को सीधा करने तुरंत पहुंच गई थी। इस हादसे के कारण 25 किलोमीटर लंबा जाम लगने से लोगों को मुसीबत का सामना करना पड़ा। बस और ट्रकों के साथ यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। राहत की बात यह रही कि टैंकर पलटने के बावजूद किसी भी व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई। अधिकारियों ने बताया कि सही समय पर सूचना मिलने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया।

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, चुनाव आयोग को कम से कम पूरी तरह से निष्पक्ष दिखाना चाहिए

वाराणसी (एजेंसी)। इनदिनों चर्चा में दिख रहे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने एसआईआर मामले पर अपना बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बंगाल में ममता बनर्जी नाराज है या कोई नाराज है, हम इस बारे में तो कुछ नहीं कहना हैं, लेकिन हम ये जरूर कहना चाहते हैं कि अगर किसी का वोट काटा जा रहा है या बढ़ाया जा रहा है, तब वहां तर्कसंगत होना चाहिए। इससे चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्न चिन्ह लगता है। इसलिए चुनाव आयोग को निष्पक्ष रहना चाहिए और अगर कहीं से कोई शिकायत की जा रही है, तब उस पर पूरा ध्यान देकर के तत्काल समस्या को दूर करना चाहिए। शंकराचार्य ने कहा कि अगर चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं दिखाई देगा, तब लोगों को लोकतंत्र के प्रति अश्रद्धा हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में ममता बनर्जी जा रही ठीक है। जिस किसी को भी शिकायत होगी, वहां आगे जाएगा ही। चुनाव आयोग को चाहिए था कि अगर उनकी कोई शिकायत थी, तब उस संतुष्ट करते, लेकिन संतुष्ट नहीं कर पाया तभी, तब आगे गई और अगर उनकी बात में बल ना होता, तब वहां सुप्रीम कोर्ट ना जाती। उसको केवल राजनीतिक रूप से लड़ती लेकिन वहां सुप्रीम कोर्ट है। शंकराचार्य ने कहा कि हमारा यह कहना है कि चुनाव आयोग को कम से कम पूरी तरह से निष्पक्ष दिखना चाहिए। अन्यथा लोकतंत्र में लोगों की चर्चा बहुत कमजोर हो जाएगी जो कि भारत देश के लिए और हमारे स्थापित लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।

झारखंड में विरोध करने पर पशु तस्कर खुस्तर अंसारी ने ग्रामीणों पर बंदूक तान दी... घटना का वीडियो वायरल

रांची (एजेंसी)। झारखंड के धुरकी जिले में अपराधियों के हौसले बुलंद होते दिख रहे हैं। ताजा मामला धुरकी थाना क्षेत्र का है, जहां पशु तस्करी रोकने पर अपराधियों की टोली ने ग्रामीणों पर बंदूक तान दी। इस पूरी घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है, इससे इलाके में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, झारखंड-उत्तर प्रदेश सीमा से सटे इलाके से एक पिकअप से पशुओं की तस्करी की जा रही थी। तभी गांव के सतर्क ग्रामीणों ने वाहन को रोककर मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी।

ट्रेड डील से अमेरिका ने भारत को खरीद लिया, अब किसान क्या आत्महत्या करेगा

सांसद संजय राउत ने केंद्रीय मंत्रियों पर झूठ बोलने के लगाए आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस डील के तहत अमेरिका ने भारत को खरीद लिया है। साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों पर झूठ बोलने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा है कि सरकार के लोगों को ब्लैकमेल किया जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को भारत पर लगाए टैरिफ को घटाकर 18 फीसदी करने का ऐलान किया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत ने बुधवार को कहा कि पीयूष गोयल समेत सरकार के सभी केंद्रीय मंत्री झूठ बोल रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ जो ट्रेड डील हुई है, वो हमारा देश लगभग अमेरिका के चरणों में डाल दिया है। अमेरिका ने हमको खरीद लिया है। बोलते हैं कि यह बहुत बड़ी हमारी विजय है। कौनसी विजय है भाई। आप बताइये। आप पूरे देश में जश्न मनाने की बात करते हो। उन्होंने कहा कि भारत को आज भी भारी टैरिफ देना पड़ रहा है।

राउत ने कहा कि 18 फीसदी टैरिफ आज भी कायम है, जो पहले 3 फीसदी था। उसके बावजूद अमेरिका के जो कृषि उत्पाद हैं, वो जीरो टैरिफ पर भारत के बाजार में आ जाएंगे, जिसमें सभी धान, फल, फूल, दूध, डेयरी प्रोडक्ट्स होंगे। हमारे किसान खून पसीना बहाकर जो माल बनाते हैं, उससे सस्ते दामों में अमेरिका अपना माल बेचेगा। तो क्या हमारा किसान आत्महत्या करेगा। उन्होंने कहा कि कोई एक रहस्यमय तरीके से हमारे सरकार के तरीके से लोगों को ब्लैकमेल किया जा रहा है...।

बता दें वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा था कि भारत ने अमेरिका के साथ एक अच्छे व्यापार करार पर सहमति बनी है और इसमें कृषि और दुग्ध क्षेत्रों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं किया गया है। गोयल ने अमेरिका के साथ हुए समझौते का विवरण दिए बिना कहा कि व्यापार समझौता अंतिम चरण में है और समझौते की रूपरेखा को स्पष्ट करते हुए जल्द ही भारत-अमेरिका का एक संयुक्त बयान जारी किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पार्टी और उसके सहयोगी दलों पर समझौते को लेकर देश को गुमराह करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए उन पर निशाना साधा।

निलंबित अधिकारी अग्निहोत्री का सरकार पर हमला, एससी-एसटी एक्ट के खिलाफ दिल्ली कूच का ऐलान

बरेली (एजेंसी)। यूजीसी बिल और माघ मेले के दौरान स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हुई कथित अभद्रता के विरोध में इस्तीफा देने वाले चर्चित पीसीएस अधिकारी और पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने एक बार फिर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बरेली पहुंचे अग्निहोत्री ने मीडिया से रूबरू होते हुए केंद्र और प्रदेश सरकार पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके इस्तीफे के बाद उन्हें निलंबित कर चार्जशीट थमाना उनकी आवाज को दबाने की एक सोची-समझी साजिश है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या किसी के इस्तीफे के जवाब में निलंबन और चार्जशीट की कार्रवाई की जाती है? अग्निहोत्री ने स्पष्ट किया कि वे इस कार्रवाई को स्वीकार नहीं करेंगे और जल्द ही हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाकर अपने निलंबन को चुनौती देंगे। अलंकार अग्निहोत्री ने सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर टिप्पणी करते हुए केंद्र सरकार की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से कर डाली। उन्होंने कहा कि तंत्र का उपयोग उनकी सत्य की आवाज को कुचलने के लिए किया जा रहा है। अपनी भविष्य की रणनीति साझा करते हुए उन्होंने बताया कि वाराणसी में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का आशीर्वाद लेने और प्रयागराज में वरिष्ठ वकीलों से कानूनी विमर्श करने के बाद वे अब आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। उन्होंने एससी-एसटी एक्ट को सामान्य वर्ग के लिए काला कानून करार देते हुए केंद्र सरकार को कड़ी चेतावनी दी है। अग्निहोत्री की मांग है कि सरकार इस कानून को समाप्त करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाए। यदि सरकार ऐसा नहीं करती है, तो वे आगामी 7 फरवरी को दिल्ली कूच करेंगे और वहां एक बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे। राजनीति में आने की अटकलों पर विराम लगाते हुए पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा कि फिलहाल उनका किसी राजनीतिक दल में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि सेवाकाल के दौरान प्रशासनिक पदों पर रहने के कारण सभी दलों के नेताओं और किसान यूनियनों से उनके अच्छे संबंध रहे हैं, लेकिन उनकी वर्तमान प्राथमिकता केवल एससी-एसटी एक्ट को रद्द कराना है। उन्होंने कहा कि वह अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का उपयोग करते हुए दिल्ली में अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

दुनिया के नए ग्लोबल आर्डर में किंग बनकर उभर रहा भारत... अमेरिका-चीन के दबाव में भी ताकत से खड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बीते महीने स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) के मंच से कहा था कि दुनिया की पुरानी व्यवस्था 'टूट' रही है। अब मध्यम ताकत वाले देशों को साथ लाकर काम करना होगा। दावोस में अपने भाषण में कार्नी ने न ट्रम्प प्रशासन का नाम लिया और न ही उन अमेरिकी टैरिफ का जिक्र किया, जिसके कारण पुराना ग्लोबल सिस्टम हिल गया। अपने भाषण में उन्होंने सीधे तौर पर भले ही भारत का नाम न लिया हो, लेकिन इशारा साफतौर पर भारत की ओर ही था। दरअसल भारत इस वक्त दो बड़े दबावों के बीच खड़ा है। एक तरफ अमेरिका की बदलती नीतियां हैं। वहीं दूसरी ओर चीन की बढ़ती आक्रामकता। इसके परेशानी भरे हालात में भी भारत अब पारंपरिक साझेदारों से आगे बढ़कर दुनिया के दूसरे हिस्सों में नए दोस्त तलाश रहा है।

इस घटना के ठीक एक हफ्ते बाद, भारतीय पीएम मोदी नई दिल्ली में यूरोपियन (ईयू) की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ खड़े थे। दोनों ने करीब 18 साल से अटके पड़े बड़े व्यापार समझौते की घोषणा की, जिसे उन्होंने 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा। इस डील से करीब 2 अरब लोगों का बाजार तैयार होगा। यह सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि उस नए अंतरराष्ट्रीय सिस्टम का हिस्सा है, जिसमें अमेरिका की भूमिका कमजोर होने के बाद बाकी देश मिलकर नया ढांचा खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं।

आज भारत उन देशों में शामिल है जिनकी राय और फैसले वैश्विक राजनीति को प्रभावित करते हैं। 140 करोड़ की आबादी के साथ यह दुनिया की सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश है। भारत की इकोनॉमी भी जापान और जर्मनी के साथ दुनिया की टॉप-5 में शामिल हो चुकी है, हालांकि प्रति व्यक्ति आय अब भी इन देशों से बहुत कम है। प्रधानमंत्री मोदी की आत्मनिर्भर भारत वाली सोच अब थोड़ी नरम पड़ती दिख रही है। भारत में यह धारणा लंबे समय से रही है कि खुद को सुरक्षित रखने के लिए दूसरे देशों से ज्यादा आर्थिक जुड़ाव नहीं होना चाहिए। लेकिन यूरोप, कनाडा और दूसरे देश यह तर्क देते रहे हैं कि मिलकर व्यापार करने से ही देश मजबूत बनते हैं।

पश्चिम बंगाल में सौ से ज्यादा सीटें जीतने का भाजपा अध्यक्ष नबीन ने बनाया प्लान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों की आधिकारिक घोषणा से पहले ही प्रदेश की राजनीतिक सरगर्मी चरम पर पहुंच गई है। भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में सत्ता हासिल करने के लिए एक अत्यंत गोपनीय और रणनीतिक ब्लूप्रिंट तैयार किया है। इसी क्रम में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नितिन नबीन ने सांसदों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें चुनावी रणनीति की बारीकियों और जमीनी हकीकत की समीक्षा की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य केवल चुनावी औपचारिकताओं को पूरा करना नहीं था, बल्कि संगठन की ताकत और वोट बैंक को लेकर एक व्यापक रोडमैप तैयार करना था, ताकि राज्य में सत्ता परिवर्तन की मजबूत नींव रखी जा सके।

रणनीतिकारों के अनुसार, इस बैठक का माहौल काफी गंभीर था, जहां 12 लोकसभा सांसदों और दो राज्यसभा सांसदों के साथ वन-टू-वन चर्चा की गई। बैठक के दौरान हर क्षेत्र की विस्तृत रिपोर्ट ली गई और पार्टी ने राज्य की 100 से अधिक ऐसी विधानसभा सीटों को चिन्हित किया है, जहां बीजेपी जीत की प्रबल स्थिति में है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि यदि संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय किया जाए और स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जाए, तो बंगाल की सियासत में एक बड़ा उलटफेर संभव है। इसी रणनीति को पार्टी ने प्लान 100से ज्यादा का नाम दिया है। नितिन ने सांसदों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में केवल ऊपरी प्रचार तक सीमित न रहें, बल्कि हर जोन में कार्यकर्ताओं को संगठित कर स्थानीय समस्याओं पर राज्य सरकार के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन खड़ा करें। सांसदों को निर्देशित किया गया है कि वे जनता से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को आक्रामक तरीके से उठाएं। विशेष रूप से बांग्लादेश की सीमा से सटे इलाकों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा गया है, जहां सुरक्षा, घुसपैठ और विकास जैसे मुद्दे चुनावी दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। इन सीमावर्ती क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करने के लिए विशेष योजना बनाई गई है। बैठक में यह भी तय किया गया कि केवल सांसदों के फीडबैक तक ही सीमित नहीं रहा जाएगा। आने वाले दिनों में पार्टी अध्यक्ष प्रदेश के विधायकों और वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ भी संवाद करेंगे ताकि रणनीति को और अधिक धार दी जा सके। बीजेपी की इस बढ़ती सक्रियता और प्लान 100 प्लस के कार्यान्वयन ने राज्य के राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। एक तरफ जहां बीजेपी

बूथ स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी है, वहीं दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) भी अपने गढ़ को बचाने के लिए पूरी तरह सक्रिय है। चुनावी बिगुल बजने से पहले ही बंगाल की यह बिछती हुई राजनीतिक बिसात आने वाले समय में एक बेहद दिलचस्प और कड़े मुकाबले की ओर इशारा कर रही है।

बलिया में अवैध अतिक्रमण हटाने गई टीम पर भारी पथराव, पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले

बलिया (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां अवैध अतिक्रमण हटाने गई राजस्व और पुलिस की टीम पर स्थानीय उपद्रवियों ने जानलेवा हमला कर दिया। खेजुरी थाना क्षेत्र के हथौज गांव में तालाब (गडही) की सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने पहुंची टीम पर अचानक हुए पथराव से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस हिंसा में एक लेखपाल, एक कानूनगो और दो सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। स्थिति इतनी बेकाबू हो गई कि भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल करना पड़ा। घंटों तक चले इस हाई-वोल्टेज ड्रामे के बाद पुलिस ने एक महिला सहित सात लोगों को हिरासत में लिया है। पूरा विवाद हथौज गांव में स्थित तालाब के किनारे बनी अवैध झोपड़ियों और पक्के निर्माण को लेकर है। बताया जा रहा है कि गांव के ही निवासी सिद्धार्थ राय ने इस अतिक्रमण के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में सोमवार को एसडीएम सिकंदरपुर, तहसीलदार और राजस्व टीम भारी पुलिस बल के साथ जेसीबी लेकर अतिक्रमण हटाने पहुंची थी। जैसे ही टीम ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की, वहां मौजूद भीड़ उग्र हो गई और पुलिस टीम को निशाना बनाकर पत्थरबाजी शुरू कर दी। इस हमले में लेखपाल अमित राय, कानूनगो राजेश कुमार और सिपाही प्रेम पटेल व शैलेंद्र गुप्ता चोटिल हो गए। अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश शुक्ला ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि कुछ शरारती तत्वों के बहकावे में आकर ग्रामीणों ने राजस्व टीम और पुलिस पर हमला किया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कई थानों की फोर्स को मौके पर बुलाया और स्थिति को नियंत्रण में लिया। उपद्रव के बावजूद प्रशासन ने न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए अवैध निर्माण को पूरी तरह जमींदोज कर दिया है। लेखपाल की तहरीर पर खेजुरी पुलिस ने दो नामजद और करीब 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

कर्नाटक में प्रदर्शन कर रहे बीजेपी-जेडीएस विधायकों ने विधानसभा में गुजारी रात

मॉर्निंग वॉक के बाद चाय पी, गाने गाए और मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर लगाए नारे

बेंगलुरु (एजेंसी)। बीजेपी और जनता दल-सेक्युलर (जेडीएस) के विधायकों ने कथित शराब घोटाले को लेकर आबकारी मंत्री आरबी थिम्मापुर के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कर्नाटक विधानसभा में रात गुजारी। बुधवार सुबह भी बीजेपी-जेडीएस विधायकों का प्रदर्शन जारी रहा। कर्नाटक बीजेपी के अध्यक्ष व विधायक बीवाई विजयेंद्र और विपक्ष के नेता आर अशोक समेत कई विधायक विधानसभा परिसर में मॉर्निंग वॉक करते हुए नजर आए। बाद में सभी विधायक एक जगह इकट्ठा हुए, चाय पी और आगे की कार्रवाई पर चर्चा की। कुछ देर बाद विरोध प्रदर्शन फिर से शुरू हुआ, जिसमें बीजेपी और जेडीएस के विधायक विधानसभा के प्रवेश द्वार की सीढ़ियों पर बैठ गए और एक्साइज मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए नारे लगाए। उन्होंने गाने भी गाए और भारत माता की जय के नारे लगाए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी विधायक चन्नाबसप्पा ने एक भक्ति गीत भी गाया। विजयेंद्र, अशोक और विधानसभा में विपक्ष के उपनेता अरविंद बेल्लाड समेत अन्य विधायक भी उनके साथ शामिल हुए। कथित शराब घोटाले के मामले में बीजेपी-जेडीएस के विधायक राज्य के आबकारी मंत्री आरबी थिम्मापुर का इस्तीफा मांग रहे हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने दावा किया कि कर्नाटक के इतिहास में पहली बार शराब एसोसिएशन ने खुद एक्साइज डिपार्टमेंट में 6,000 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि आबकारी मंत्री हर महीने 250 करोड़ से 300 करोड़ रुपए वसूल रहे थे। उनके मुताबिक हर डिप्टी कमिश्नर की पोस्ट के लिए 2 करोड़ रुपए और कांस्टेबल लेवल की पोस्टिंग के लिए भी 10 लाख रुपए लिए जा रहे थे। अशोक ने एक ऑडियो रिकॉर्डिंग का भी जिक्र किया, जिसमें कथित तौर पर एक डिप्टी कमिश्नर ने कहा था कि मंत्रियों को कट देना पड़ता है। नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि मंत्री के खिलाफ लोकायुक्त में शिकायत दर्ज की गई है।

अशोका ने आरोप लगाया कि इन सबके बावजूद मंत्री सबूत मांग रहे हैं और सीएम सिद्धारमैया, जिनके पास वित्त मंत्रालय भी है, पूरी सरकार उनका साथ दे रही है। इससे पता चलता है कि कांग्रेस हाईकमान के पास बहुत सारा पैसा पहुंच रहा है। चुनावों के लिए यह भारी भरकम 6,000 करोड़ रुपए का कलेक्शन हुआ है। हम धरना दे रहे हैं और जब तक एक्साइज मंत्री थिम्मापुर इस्तीफा नहीं देते, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

मनीष तिवारी ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर तत्काल चर्चा कराने दिया स्थगन प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर संसद में राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने बुधवार को लोकसभा में इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा की मांग करते हुए स्थगन प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने लोकसभा के महासचिव को पत्र लिखकर प्रश्नकाल, शून्यकाल और दिन की अन्य सभी कार्यवाहियों को स्थगित कर इस गंभीर सार्वजनिक विषय पर बहस कराने की अनुमति मांगी है।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने अपने पत्र में कहा कि यह मामला राष्ट्रीय हित, आर्थिक सुरक्षा और विदेश नीति से सीधे जुड़ा हुआ है, जिस पर संसद की जानकारी और चर्चा अनिवार्य है। उन्होंने लिखा कि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति की ओर से कथित रूप से ऐसा बयान सामने आया है, जिसमें दावा किया गया है कि भारत के प्रधानमंत्री इस व्यापार समझौते की शर्तों पर सहमत हो

गए हैं। तिवारी के अनुसार, यह दावा अत्यंत गंभीर है और इसकी सच्चाई सदन के सामने स्पष्ट की जानी चाहिए।

कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि इस कथित समझौते के तहत भारत ने रूसी तेल की खरीद बंद करने, अमेरिका और वेनेजुएला से तेल आयात में भारी वृद्धि करने, भारतीय टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को लगभग शून्य करने तथा 500 बिलियन डॉलर से अधिक के अमेरिकी उत्पाद खरीदने पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा हुआ है तो इसके दूरगामी आर्थिक और सामाजिक प्रभाव पड़ सकते हैं।

तिवारी ने अपने पत्र में यह भी रेखांकित किया कि रूसी कच्चे तेल की खरीद से देश में ईंधन की कीमतों को नियंत्रित रखने में मदद मिली है। यदि इसमें अचानक बदलाव किया गया, तो आम नागरिकों, परिवहन क्षेत्र और उद्योगों पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। इसके साथ ही, बड़े व्यापार समझौते घरेलू विनिर्माण, किसानों और लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) पर नकारात्मक असर डाल सकते हैं।

उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि वह इस पूरे मामले पर तुरंत स्पष्ट बयान दे और संसद में विस्तृत चर्चा की अनुमति दे। तिवारी ने कहा कि व्यापार, ऊर्जा और विदेश नीति जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में बिना पारदर्शिता के लिए गए निर्णय देशहित में नहीं हैं।

सुनेत्रा पवार के डिप्टी सीएम बनने के बाद भी खत्म नहीं हो रहीं एनसीपी गुटों के एक होने की अटकलें

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक निधन ने न केवल राज्य की राजनीति को स्तब्ध कर दिया है, बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के भीतर सत्ता और समीकरणों के नए दौर को भी जन्म दे दिया है। अजित पवार के निधन के महज चार दिन बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिला दी गई। इस त्वरित राजनीतिक घटनाक्रम ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं, विशेषकर एनसीपी के दोनों गुटों के विलय और पवार परिवार की एकजुटता को लेकर।

अजित पवार के निधन के बाद शुरुआती दिनों में ऐसा लगा था कि शरद पवार और अजित गुट के बीच की दूरियां अब खत्म हो जाएंगी। स्वयं 85 वर्षीय वयोवृद्ध नेता शरद पवार ने मीडिया से कहा था कि अजित की अंतिम इच्छा पार्टी को फिर से एकजुट देखने की थी। दुख की इस घड़ी में पूरा परिवार और दोनों गुटों के कार्यकर्ता एक साथ नजर आए थे। लेकिन यह एकजुटता महज कुछ घंटों की ही साबित हुई। जैसे ही सुनेत्रा पवार ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली, शरद पवार ने सार्वजनिक रूप से यह कहकर सबको चौंका दिया कि उन्हें इस फैसले के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। इस बयान ने स्पष्ट कर दिया कि पर्दे के पीछे की राजनीति ने एक अलग ही करवट ले ली है।

रिपोर्टों के अनुसार, प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे जैसे वरिष्ठ नेता अब अजित पवार की विरासत और पार्टी की कमान को संभालने की पूरी प्रक्रिया को नियंत्रित कर रहे हैं। प्रफुल्ल पटेल ने खुद को अध्यक्ष पद की रेस से बाहर करते हुए घोषणा की है कि पार्टी कार्यकर्ता सुनेत्रा पवार को ही अध्यक्ष के रूप में देखना चाहते हैं। सरकार ने भी सक्रियता दिखाते हुए पुणे और बीड़ जिलों के पालक मंत्री की जिम्मेदारी सुनेत्रा पवार को सौंप दी है, जो पहले दिवंगत अजित पवार के पास थी। प्रफुल्ल पटेल का मानना है कि सुनेत्रा पवार को पार्टी की कमान सौंपना ही अजित दादा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

सबसे बड़ी चर्चा एनसीपी के दोनों गुटों के विलय को लेकर थी, जिसे प्रफुल्ल पटेल ने फिलहाल सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थानीय निकाय चुनावों में तालमेल और पार्टी का पूर्ण विलय दो अलग बातें हैं। पटेल ने उन दावों को भी दरकिनार कर दिया जिनमें शरद पवार गुट के साथ दोबारा जुड़ने की बात कही जा रही थी। उन्होंने कहा कि अजित पवार ने स्वयं कभी विलय का कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं रखा था। नेताओं के बीच होने वाली मुलाकातों को उन्होंने केवल पारिवारिक संबंधों तक सीमित बताया।

इस पूरे घटनाक्रम ने महाराष्ट्र की राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार के लिए एक नई चुनौती खड़ी कर दी है। अपने सबसे भरोसेमंद उत्तराधिकारी को खोने के बाद शरद पवार संभवतः पार्टी और परिवार को एक झंडे के नीचे लाना चाहते थे, लेकिन एनसीपी का नया नेतृत्व उनसे दूरी बनाता दिख रहा है। जिस तरह से सुनेत्रा पवार को आगे बढ़ाया जा रहा है और शरद पवार को निर्णयों से दूर रखा गया है, उससे संकेत मिलते हैं कि एनसीपी के भीतर

अजित पवार का गुट अपनी स्वतंत्र पहचान बनाए रखने के लिए संकल्पित है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या शरद पवार की पार्टी को फिर से एक करने की अंतिम इच्छा अधूरी रह जाएगी? महाराष्ट्र की राजनीति का यह नया अध्याय अब किस दिशा में मुड़ेगा, इस पर पूरे देश की निगाहें टिकी हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, —mail bheempragya@gmail.com